आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 122 रांची, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026 (वैशाख, कृष्ण पक्ष 13, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

मुख्यमंत्री ने दी वैशाखी की शुभकामनाएं

रांची। हेमंत सोरेन ने समस्त देशवासियों को वैशाखी के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा, वैशाखी का यह पर्व नई फसल, नई उम्मीदों और समृद्धि का प्रतीक है। यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और परिश्रम के फल का उत्सव मनाने का अवसर है, जो सभी के जीवन में खुशहाली और नई ऊर्जा लेकर आए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह पर्व हमें एकता, भाईचारे और मिल-जुलकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। साथ ही यह दिन हमारी संस्कृति और मेहनतकश किसानों के योगदान को सम्मान देने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य लेकर आए।

कोयल नदी में डूबने से 13 वर्षीय बालक की मौत

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड के ग्राम कलहेपट (पोस्ट-अरु, थाना-सेन्हा) में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 13 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जियाउल मुस्तफा के रूप में हुई है, जो पूर्व वार्ड सदस्य मोहम्मद रुस्तम अंसारी के पुत्र थे। मोहम्मद रुस्तम अंसारी सेन्हा प्रखंड कांग्रेस कमिटी के मंडल अध्यक्ष भी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जियाउल अपने साथियों के साथ कोयल नदी के नंदलाल फॉर्म के समीप नहाने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में फिसल गया और डूबने लगा। साथ मौजूद बच्चों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना सेन्हा की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला।

वेदांता पावर प्लांट में विस्फोट चार मजदूरों की मौत

सक्ती/छत्तीसगढ़। वेदांता के पावर प्लांट में मंगलवार को हुए भीषण विस्फोट में चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक मजदूर घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघीतराई स्थित प्लांट में दोपहर के समय हुआ। रोजाना की तरह मजदूर काम कर रहे थे, तभी बॉयलर में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे आग और धुएं का गुबार फैल गया। घटना की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीबीआई ने आठ राज्यों में 77 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के बीच कथित गठजोड़ से जुड़े मामलों में देशभर में बड़ी कार्रवाई की है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर सीबीआई ने 22 नए मामले दर्ज किए और मंगलवार को 8 राज्यों में फैले 77 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। सीबीआई ने बताया कि मंगलावार को की गई तलाशी के दौरान सीबीआई ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य सामग्री जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। ये मामले उन आरोपों से जुड़े हैं जिनमें कुछ बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों पर निर्दोष गृह खरीदारों को धोखा देने और ठगने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार यह कार्रवाई कथित फंड डायवर्जन, वित्तीय अनियमितताओं और रियल एस्टेट सेक्टर में धोखाधड़ी की बड़ी साजिश को उजागर करने के लिए की गई है। इससे पहले सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में 28 मामले दर्ज किए थे, जो अंतिम चरण में हैं।

अंबेडकर जयंती पर राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, संविधान के मूल्यों को अपनाने का आह्वान

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में अंबेडकर जयंती के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बाबा साहेब के योगदान को याद किया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है और उनके द्वारा निर्मित संविधान को पूरा देश नमन करता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाबा साहेब एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने गरीब, पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में समानता और न्याय स्थापित करने में अपना योगदान दें।

बाबा साहेब ने देश को एक समावेशी और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान की : राज्यपाल

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया, जो लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के योगदान के कारण ही भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश को एक समावेशी और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान की। उनके द्वारा निर्मित संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर दिया। राज्यपाल ने उनके जीवन को संघर्ष, संकल्प और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की और समाज में व्याप्त भेदभाव तथा असमानता के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उनका मानना था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि आज जरूरत है कि हम उनके विचारों को केवल याद ही न करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। एक समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बिहार की राजनीति में 20 साल से अधिक लंबे नीतीश युग का अंत

बिहार को मिला नया मुख्यमंत्री आज शपथ लेंगे सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। सम्राट चौधरी को एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अब वे राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। वे नीतीश कुमार की जगह लेंगे। बुधवार को पटना में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। सम्राट चौधरी को इससे पहले भाजपा विधायक दल का नेता भी चुना गया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी औपचारिक घोषणा की। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल सैयद अता हसनैन से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

नीतीश का इस्तीफा, 145 दिन में खत्म कार्यकाल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक के बाद राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। 20 नवंबर 2025 को शुरू हुआ उनका कार्यकाल महज 145 दिनों में समाप्त हो गया, जो उनके राजनीतिक जीवन का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल रहा। सूत्रों के अनुसार, जदयू के वरिष्ठ नेता विजेंद्र प्रसाद यादव और विजय कुमार चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। शपथ ग्रहण के पहले चरण में कुछ ही मंत्रियों को शामिल किया जाएगा, जबकि विस्तार बाद में होगा।

कैबिनेट में संतुलन पर जोर

नई सरकार में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की तैयारी है। ओबीसी, सवर्ण, दलित और महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के साथ-साथ युवा और अनुभवी नेताओं का मिश्रण देखने को मिल सकता है। भाजपा और जदयू के साथ-साथ सहयोगी दलों को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है।

बिहार में भाजपा का पहला मुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है, जो राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है। पटना में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। सभी की नजरें अब नई सरकार के गठन और मंत्रिमंडल की अंतिम सूची पर टिकी हुई हैं।

नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा : नीतीश कुमार

नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद एक संदेश जारी कर नई सरकार को पूरा सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी राज्य के विकास के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे। नीतीश कुमार ने अपने संदेश में कहा कि वर्ष 2005 में पहली बार राज्य में एनडीए की सरकार बनी थी और तब से बिहार में कानून का राज स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने समाज के सभी वर्गों—हिंदू, मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित और महादलित—के विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और कृषि जैसे हर क्षेत्र में व्यापक काम किए गए हैं। महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए भी कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गईं।

तपोवन मंदिर में सीएम हेमंत ने की पूजा अर्चना, राज्य की खुशहाली की कामना की

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन ने मंगलवार को निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। इस अवसर पर उनके साथ विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित जानकारी विस्तार से प्राप्त की। उन्होंने कहा कि तपोवन मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है, बल्कि रांची की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर भी है।

सीएम हेमंत सोरेन ने स्पष्ट किया कि मंदिर के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य बड़े स्तर पर किया जा रहा है, जिसमें राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर को भव्य स्वरूप देने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि देश-विदेश से आने वाले लोग यहां आसानी से दर्शन कर सकें। विधायक कल्पना सोरेन ने भी मंदिर के विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह मंदिर और भी अधिक आकर्षण का केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि मंदिर नवनिर्माण समिति के प्रतिनिधियों ने एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें कार्य की प्रगति से अवगत कराया था और स्थल निरीक्षण के लिए आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर दीं शुभकामनाएं, विभाग के कार्यों की सराहना की

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य के महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा एमएस भाटिया ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को बैज पहनाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों और अग्निशमन सेवा से जुड़े सभी कर्मियों को अग्निशमन सेवा सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अग्निशमन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह विभाग आपदा की घड़ी में लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा में अहम भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियान अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आग जैसी आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है और इस दिशा में विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं।

जैक ने कक्षा 11वीं का परिणाम किया घोषित, 99.12 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड शैक्षणिक परिषद ने कक्षा 11वीं (माध्यमिक) परीक्षा 2026 का परिणाम मंगलवार को आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया। यह परीक्षा राज्यभर में 25 फरवरी से 28 फरवरी 2026 के बीच आयोजित की गई थी। परिषद मुख्यालय, रांची में आयोजित कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष डॉ. नत्वा हांसदा ने परिषद के सचिव, परीक्षा नियंत्रक तथा वरिष्ठ सूचना पदाधिकारी की उपस्थिति में परिणाम जारी किया।

जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष कुल 3,61,683 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था, जिनमें से 3,58,533 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 3,55,399 विद्यार्थियों को सफल घोषित किया गया। इस प्रकार कुल 99.12 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जो राज्य के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस वर्ष सभी प्रमंडलों और जिलों में बेहतर परिणाम दर्ज किए गए हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों की मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। परिणाम घोषित करते हुए परिषद अध्यक्ष डॉ. नत्वा हांसदा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी।

रांची ट्रेजरी में करोड़ों का घोटाला, फर्जी निकासी से हड़कंप

रांची ट्रेजरी घोटाला : करोड़ों की हेराफेरी उजागर

फर्जी निकासी मामले में हिरासत में दो लोग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में ट्रेजरी से फर्जी निकासी कर करोड़ों रुपये के घोटाले का मामला सामने आने से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जांच में 3 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय गड़बड़ी उजागर हुई है। मामले को लेकर कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार, ट्रेजरी के माध्यम से पशुपालन विभाग में निकासी के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितता की आशंका जताई गई है। जांच में फर्जी बिल, संदिग्ध भुगतान और दस्तावेजों में हेरफेर कर राशि निकालने के प्रमाण मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले को लेकर जिला प्रशासन को शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की फर्जी निकासी की पुष्टि भी हो चुकी है, जबकि कुल गड़बड़ी 3 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है और विभाग से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच जारी है। पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि इस घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

हैदराबाद से एयरलिफ्ट कर रांची लाए गए पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो

रांची। सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो करीब पांच वर्षों के लंबे अंतराल के बाद मंगलवार को झारखंड लौट आए। उन्हें हैदराबाद से एयरलिफ्ट कर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया, जहां उनके आगमन पर भावुक माहौल देखने को मिला। एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। इनमें बाबूलाल मरांडी, संजय सेठ, आदित्य साहू तथा रोशनी खलखो शामिल थे। सभी नेताओं ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इंद्रजीत महतो लंबे समय से उपचाराधीन थे। चिकित्सकों के प्रयास से उनकी सेहत में धीरे-धीरे सुधार हुआ है।

सड़क, रेलवे, अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं : मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी। प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्घघाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और डबल इंजन सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं।

यात्रा समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा

दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के लाभ गिनाते हुए उन्होंने कहा कि इससे यात्रा समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन की खपत कम होगी और परिवहन लागत भी घटेगी। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट ने हजारों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है और किसानों की उपज तेजी से बाजारों तक पहुंच सकेगी। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

चुनाव तक न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा जारी रहेगी : कलकत्ता हाईकोर्ट

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था जारी रखी जाए और बिना अदालत की अनुमति इसे वापस न लिया जाए। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि पूर्व में जारी 2 और 6 अप्रैल के आदेशों के अनुपालन में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक द्वारा हलफनामा दाखिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की मदद से न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि अगले आदेश तक यह सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय बलों की तैनाती यथावत जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान मतदाता सूची को लेकर भी विवाद सामने आया। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने लगभग 16 लाख लंबित आवेदनों के आधार पर उन्हें मतदान का अधिकार देने की मांग की।

सिल्ली में दिखा ग्राम सभा का स्वशासन, टेटेबंदा ग्राम सभा ने संभाली बाजार की बागडोर

पाहन की पूजा के साथ स्वशासन का हुआ शंखनाद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। झारखंड के पांचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा की शक्ति अब धरातल पर दिखने लगी है। सिल्ली प्रखंड के हाकेदाग पंचायत अंतर्गत टेटेबंदा ग्राम सभा में आज एक नया इतिहास रचा गया। पेसा कानून की ताकत का इस्तेमाल करते हुए ग्राम सभा ने न केवल बाजार प्रबंधन का बोर्ड गाड़ा, बल्कि विधिवत रूढ़ि परंपरा से पूजा-अर्चना के बाद बाजार प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बाजार शुल्क का संग्रहण भी शुरू कर दी है। ग्राम सभा टेटेबन्दा ने यह साबित कर दिया है कि अगर ग्रामीण एकजुट हों, तो संविधान प्रदत्त शक्तियों से अपना भाग्य खुद बदला जा सकता है। ग्राम सभा टेटेबंदा के सदस्यों ने आज टोला चारलू के साप्ताहिक बाजार के समीप पाहन द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई और ग्राम सभा के आधिकारिक सूचना बोर्ड को स्थापित किया। गौरतलब है कि पेसा अधिनियम 1996 और झारखंड पेसा नियमावली 2025 के तहत ग्राम सभा को अपने क्षेत्र के संसाधनों और बाजारों के प्रबंधन का पूर्ण अधिकार है। इसी अधिकार का प्रयोग करते हुए ग्राम प्रधान धीरेंद्र बेदिया की अध्यक्षता में बाजार प्रबंधन समिति ने आज से बाजार का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। अब तक इस बाजार से होने वाली आय का हिसाब स्पष्ट नहीं था, लेकिन अब यहाँ से प्राप्त शुल्क राशि का उपयोग टेटेबंदा और चारलू के विकास में किया जाएगा। बोर्ड गाड़े जाने के साथ ही समिति के सदस्यों ने बाजार में शुल्क वसूली की प्रक्रिया भी शुरू की। मौके पर चारलू, टेटेबन्दा और बालागोड़ा गांव के सैकड़ों पुरुष और महिलाएं उपस्थित थे। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल पैसे वसूलने की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे आत्मसम्मान और 'अबुआ दिशुम-अबुआ राज' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। टेटेबंदा ग्राम सभा की इस पहल ने पूरे सिल्ली प्रखंड के लिए एक मिसाल पेश की है।

राहे में भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

राहे। प्रखंड के सुभाष चौक राहे के परिसर में मंगलवार को संविधान के निमार्ता और भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा का अनावरण अंबेडकर विचार मंच क द्वारा किया गया। प्रतिमा अनावरण के बाद सभी ने बड़ी-बड़ी से पुष्प अर्पित कर 135 वीं जयंती मनाया गया। जयंती समारोह में वक्ताओं ने कहा कि संविधान की रक्षा आज सबसे जरूरी हो गया है। अंबेडकर के विचारों को देश के हर गांवों, घरों में पहुंचा कर शहीदो के सपनों का भारत बनाया जा सकता है। अंबेडकर के विचारों का हनन हो रहा है उसे हमें सुरक्षित करना होगा। मौके मंच के परमेश्वर लाल, डॉ सुभाष मुंडा,रतन मुंडा, जिप सदस्य बादल महतो, जेएलकेएम उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो, उप प्रमुख उमेश महतो, सुफल महतो,पंचानन मुंडा, योगेश बैठा, छात्र नेता राजू महतो,दामोदर प्रजापति, जगमोहन महतो, दिलीप मांझी सहित काफी संख्या में मंच के लोग मौजूद थे।कार्यक्रम के पश्चात संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया। इधर नूरु गांव में झारखंड राज्य किसान सभा के द्वारा संविधान के निमार्ता और भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहब भीमराव अंबेडकर को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाया।

संक्षिप्त

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम से मनाया गया बैसाखी का पर्व

रामगढ़। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में मंगलवार को धूमधाम से बैसाखी का पर्व मनाया गया। बैसाखी का पर्व सिखों के लिए नया साल माना जाता है। बैसाखी के पर्व में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में बड़ी संख्या में सिख साथ संगत शिरकत करते है। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में खालसा सृजना दिवस के रूप में मनाया जाता है। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में रविवार को अखंड पाठ की शुरूआत की गई थी जिसकी आज अखंड पाठ की साहब की समाप्ति हुई। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब मे निशान साहब बदला गया जिसकी सेवा रामगढ़ के समाजसेवी रमेंद्र सिंह गांधी के परिवार वालों की तरफ से की गई। विशेष दीवान में प्रसिद्ध कीर्तन भाई जसविंदर सिंह खालसा लखनऊ वाले ने अपनी मधुर आवाज से संगत का मन मोहा। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथि भाई गुरविंदर सिंह जी के द्वारा अरदास किया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने बैसाखी के शुभ अवसर पर सभी सिख समुदाय के लोगों को बधाई दी है। कार्यक्रम में रामगढ़ के सिख समाज के बीच गुरुद्वारा साहिब में अटूट लंगर बांटा गया। इस बीच रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में वृंदावन पॉलिडॉक हॉस्पिटल के द्वारा की ओर से फ्री हेल्थ चेक अप कैंप लगाया गया। जिसमें प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ राजेश कुमार कश्यप उपस्थित हुए। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में रामगढ़ की विधायक ममता देवी, रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष कुसुम लता मुंडा, नगर परिषद उपाध्यक्ष रणधीर गुप्ता को रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथि के द्वारा सिरोपा देकर सम्मानित किया गया।

टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल भुइयांडीह में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़। टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल, भुइयांडीह में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में निबंध, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने लघु नाटिका, गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष एवं उनके योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कक्षा ग्यारहवीं के छात्र आतिश कुमार द्वारा भाषण प्रस्तुत किया।

रामगढ़ में डीआईजी की सख्ती, संगठित अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। संगठित आपराधिक गिरोह लगातार पुलिस प्रशासन को चुनौती दे रहा है। पुलिस भी अपराधियों के खिलाफ बड़े अभियान चला रही है। मंगलवार को हजारीबाग डीआईजी अंजनी कुमार झा रामगढ़ पहुंचे और संगठित अपराधियों के खिलाफ हुई कार्रवाई की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अपराधियों को खुली चुनौती भी दी। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि धमकी देने वाले अपराधी और गिरोह को सूचना देने वाले लोकल व्यक्ति पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।
डीआईजी ने 14 बिंदुओं पर जिले के तमाम थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और अनुसंधानकर्ता पदाधिकारी को निर्देश दिया। एसपी अजय कुमार, पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी और डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन कुमार वत्स को भी उन्होंने बेहतर मॉनिटरिंग करने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया। डीआईजी झा ने संगठित आपराधिक गिरोह की ओर से जनवरी 2026 से अब तक की गई गोलीबारी, आगजनी, पोस्टरबाजी, धमकी भरे कॉल से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने हर मामले में अलग तरीके से एसडीपीओ, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और अनुसंधानकर्ता से चर्चा की। साथ ही वैसे अपराधी और अभियुक्त जो जेल से छूटकर जमानत पर हैं, उनके विरुद्ध सर्विलांस प्रोसिडिंग, डोसियर, सीसीए एवं अन्य कार्रवाई की भी समीक्षा की।
डीआईजी अंजनी कुमार झा ने समीक्षा के बाद पतरातू एसडीपीओ, डीएसपी हेडक्वार्टर, सभी इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी को 14 बिंदुओं पर निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि गिरोह की ओर से किसी भी व्यवसायी या ठेकेदार को धमकी दी जाती है तो सबसे पहले प्राथमिकी दर्ज कर उन्होंने गिरोह को सूचना देने वाले लोकल व्यक्ति को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को स्थान बदलकर एंटी क्राइम चेकिंग करने, फरार आरोपितों को साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार करने, संगठित अपराध गिरोह के सदस्यों के खिलाफ कुर्की जप्ती हो, गिरोह के सदस्य वर्तमान समय में जेल में है या बाहर हैं उनका सत्यापन करने, गिरोह के आरोपित जो वर्तमान समय में जेल में है उनके विरुद्ध सीसीए की कार्रवाई करने, संगठित अपराध गिरोह के सदस्यों का डेटाबेस तैयार करने साथ ही गिरफ्तार हुए क्रिमिनल्स को सजा दिलाने के लिए स्पीडी ट्रायल चलाने को कहा। साथ ही डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों से कोर्ट से वारंट, इश्तेहार, कुर्की प्राप्त कर संगठित अपराध गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

दहकते अंगारों पर आस्था की अग्नि परीक्षा, शिवभक्ति में डूबे श्रद्धालु

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। जिले के वार्ड संख्या 26, कैथा कुसुम टोला गांव में आस्था, परंपरा और साहस का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब मंडा पर्व के अवसर पर शिवभक्तों ने नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलकर अपनी अटूट श्रद्धा का परिचय दिया। यह दृश्य न सिर्फ रोमांचकारी था, बल्कि गांव की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक विश्वास की गहराई को भी दशार्ता है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13 अप्रैल को आयोजित इस पर्व में ग्रामीणों की भारी भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरूआत शिवालय मंदिर से माता पार्वती के पाट्ट के साथ हुई, जिसे ढोल-नगाड़ों के साथ पूरे गांव में घुमाया गया। हर घर में जागरण कर भक्तिमय वातावरण बन गया। ग्रामीणों ने विधि-विधान से माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति की कामना की। इससे पूरा गांव भक्ति में सराबोर नजर आया।

फायर सर्विस टीम ने दी आग से बचाव की जानकारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। अग्निशमन विभाग रामगढ़ के तत्वावधान में मंगलवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर अग्निशमन सेवा सप्ताह के जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला अग्निशमन पदाधिकारी महेंद्र सिंह के नेतृत्व में चट्टी बाजार स्थित श्याम कॉम्प्लेक्स, कनक ज्वेलर्स और बिग शॉप में लोगों को आग से बचने के उपाय बताया गया। मौके पर उन्होंने सुरक्षित विद्यालय, अस्पताल, मॉल सिहत अन्य स्थानों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि 14 से 20 अप्रैल तक जिले में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान स्कूलों, कॉलेज, मॉल और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वहीं प्रधान फायरमैन सकलदेव यादव, अब्बास अली और अग्नि चालक रविंद्र गोप ने आग लगने की स्थिति में संयम बरतने की सलाह दी। इस अवसर पर अरुण बगड़िया, लोकेश बगड़िया, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, महेश सिंह, अजीत अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

सिल्ली में चैत्र पर्व हर्षोल्लास से संपन्न, दहकते अंगारों पर चले शिव भक्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। प्रखंड के सिल्लीडीह गांव में मंगलवार को चैत्र पर्व व शिव पुजा हर्षोल्लास से सम्पन्न हो गया। इसको लेकर शिव मंदिर परिसर में सोमवार को मेले का आयोजन किया गया। जहां लोग रात भर छऊ नृत्य एवं मेले का आंनद लिया। वहीं मंगलवार सुबह फूलखुंदी (दहकते अंगारों पर चलने) का आयोजन किया गया। जिसमें 277 व्रती भोक्ताओं ने मंदिर के समीप स्थित तालाब में स्नान कर कतारबद्ध होकर मंदिर परिसर पहुंचे एवं दहकते अंगारों पर चल कर तथा शिव जी की पुजा कर प्रसाद ग्रहण कर व्रत सम्पन्न किया। ज्ञात हो कि इस पुजा के लिए 5 दिनों तक भोक्ताओं को विधि विधान पूर्वक कड़े अनुशासन से रहना पड़ता है। इस दौरान पारंपरिक पाठ भोक्ता (मुख्य भोक्ता) अन्य भोक्ताओं का नेतृत्व करता है। इस दौरान पाटभोक्ता दिन भर फलाहार में रहकर रात्रि में हबिस (खीर) ग्रहण करते हैं। भोक्ताओं के परिजन भी सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। अन्य भोक्ता भी फुलखुंदी के तिन दिन पुर्व से पाटभोक्ता की तरह नियम का अनुपालन करते हैं। सुबह शम-शम ध्यान पूजा अर्चना करते हैं। सभी भोक्ता फुलखुंदी से 24 घंटा पुर्व से निर्जला उपवास रहते हैं। इस पौराणिक मेला, पुजा एवं परम्परा के विषय में आयोजन समिति के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव बताया कि यह परम्परा देश की आजादी से पहले से चली आ रही है। पाटभोक्ता 5 दिन पूर्व विधान विधान से सिल्ली रजवाड़ी से पुजा सामग्री ग्रहण कर मंदिर ले आते हैं। वहीं मंदिर के पुजारी विश्वजीत उपाध्याय ने बताया कि पुजा के एक दिन पुर्व पाठ भोक्ता एवं अन्य भोक्ता विधि विधान से पाट (लकड़ी का बनाया हुआ शिव का प्रतीक) को सिली रजवाड़ील जाते हैं एवं मेले के एक दिन पुर्व वापिस मंदिर ले आते हैं। मेला के सफल आयोजन में पवन महतो, मथुर महतो, शिवचरण हजाम, विजय महतो , महेंद्र महतो, सुरज हजाम, विष्णु हजाम, तेज नारायण लोहरा, अजय महतो, रोशन कुमार, निर्मल महतो, घनश्याम हजाम , शम्भु महतो, जलनी देवी, र रुक्मिणी देवी, छाया देवी समेत ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

चैत्र पर्व व शिव पूजा संपन्न, अंगारों पर चले शिव भक्त भोक्ता झूलन और छऊ नृत्य का हुआ आयोजन

राहे। प्रखंड के महेशपुर, नुरू, गोवाली ओर दरहा गांव में मंगलवार सुबह को हर्षोल्लास के साथ चैत्र पर्व व शिव पूजा संपन्न हो गया। इसको लेकर गांव के शिव मंदिर परिसर में सोमवार रात को मेले का आयोजन किया गया। जहां लोग रात भर छऊ नृत्य तथा मेले का आनंद लिया। वहीं मंगलवार सुबह फूलखुंदी (दहकते अंगारों में चलना) का आयोजन किया गया। नुरू ओर गोवाली गांव में भोक्ता 50 फीट ऊंची हवा में झूलते हुये झूलन किया। शिव भक्त अपने पीठ में लोहे की छड़ बेध कर झूलन किया। अनुष्ठान के बाद प्रसाद ग्रहण कर व्रत तोड़ा गया। पर्व आस्था का अद्भुत प्रतीक है फूलखुंदी ओर झूलन -फूलखुंदी में भोक्ता नंगे पांव आग पर चलते हैं। सभी भोक्ता पाटभोक्ता के नेतृत्व में मंदिर के निकट तालाब से स्नान कर इस आग की पूजा अर्चना कर अंगारे में गुजरकर व्रत पूर्ण किए। इसके बाद पीठ में लोहे की छड़ में रस्सी बांध कर 50 फीट ऊपर हवा में बल्ली के सहारे झूले है। सारा अनुष्ठान 24 घंटे निर्जला उपवास में रह कर किया गया।आयोजन को लेकर मेला समिति के सदस्य सक्रिय भूमिका में रही।

अंबेडकर की प्रतिमा निर्माण के लिए किया गया भूमि पूजन, मनायी गयी जयंती

सोनाहातू। प्रखंड के ब्लॉक मोड़ के समीप आजसू पार्टी प्रखंड कमिटी के द्वारा भीम राव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई गई। पार्टी के द्वारा प्रतिमा निर्माण को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू सुप्रिमो सुदेश कुमार महतो के द्वारा भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर इन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हमें एक ऐसा संविधान दिया, जो देश की एकता और अखंडता को मजबूत करता है। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि आज हमें बाबा साहेब के विचारों को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर, सभी को समान अवसर प्रदान करना है। मौके पर पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा मुंडा, श्याम कुमार महतो, सुषेण प्रमाणिक, नेपाल नायक, बिपिन पाल, उपमुखिया बीणापानी देवी,पंसस रूपकुमार साहु, मुखिया सावना महली, दिलीप महतो, खेत्रमोहन सिंह मुंडा, दिलीप कोइरी,चक्रधर मुखियार, जयप्रकाश स्वांसी, विमल किशोर सेठ, मुचीराम मुखियार, धनेश्वर स्वांसी, मनोरंजन सेठ, मुचीराम मछुवा, अरविंदभगत, कालीचरण महतो, नरेश भगत, सुरेश दास कालीचरण मछुआ,आदि मौजूद थे।

चैत्र संक्रांति चड़क पूजा के अवसर पर मुर्गा लड़ाई का आयोजन

सोनाहातू । प्रखंड के एडरमहातू गांव में चैत्र संक्रांति चड़क पूजा के अवसर पर मंगलवार को मुर्गा लड़ाई का आयोजन किया गया।मुर्गा लड़ाई का फीता काटकर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि फणी भूषण सिंह मुंडा ने किया उद्घाटन, ओर साथ में उपमुखिया अर्जून सेठ, ओर सभी मुर्गा प्रेमियों ने मुर्गा लड़ाई का भव्य आयोजन किया।

सिल्ली में बाबा साहब की जयंती पर निकली शोभा यात्रा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। आंबेडकर पार्क परिसर में मंगलवार को अंबेडकर ग्राम विकास समिति सिल्ली के तत्वावधान में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुर्व उपमुख्यमंत्री सह सुदेश कुमार महतो, गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, गौतम कृष्ण साहु, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेन्द्र बड़ाइक, संजय सिद्धार्थ, सुशील महतो, उर्मिला देवी, आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इससे पूर्व आयोजन समिति के हेमंत नायक, ललन कुमार एवं रविंद्र करमाली के नेतृत्व में मोटरसाइकिल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा टुटकी गांव से रेलवे ओवरब्रिज, सिल्ली बजार होते हुए आयोजन स्थल तक पहुंचा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि संविधान निमार्ता आंबेडकर ने जो राजनीतिक समानता का अधिकार हम सबको दिया, उसे अब सामाजिक और आर्थिक समानता में बदलने की चुनौती है। सामाजिक और आर्थिक न्याय प्राप्त करने के लिए संगठित होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। साथ ही लोगों से डॉ आंबेडकर के बताए रास्ते पर चलने की अपील की। इस मौके पर सुरेश मुंडा, संबत बड़ाइक, गौतम रविदास, ललन कुमार, रविंद्र करमाली, कार्तिक नायक, संदीप नायक, निवारण मुखियार, अर्जुन कालिंदी, अंबुज रजक पवन महतो, पंकज मंडल, धरमा नायक, जय सिंह मुंडा आयोजन समिति के सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

अंबेडकर जयंती मनायी गयी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड के दोवाडू घाघरा के दुमदुमिया बाजार समीप में डॉ भीम राव आंबेडकर विचार मंच के तत्वाधान में आंबेडकर जयंती मनाया गया। कार्यक्रम उपस्थित लोगों ने डॉ भीम राव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किए। इस अवसर पर आंबेडकर विचार मंच के अध्यक्ष निवारण मुखियार ने कहा कि बाबा साहब ने भारत के सभी नागरिकों को संविधान का ऐसा उपहार दिया जिसने प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार प्रदान किया है। बाबा साहब के विचार सामाजिक न्याय की अवधारणा के पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के साथ साथ महिलाओं को भी अधिकार प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल हुई है। इस मौके पर मनकी जय, प्रकाश सिंह, श्रीहरि नायक, वीरेंद्र मुखियार, दिनेश रविदास, हरि मुखियार, पूर्व सरपंच भीम सिंह मुंडा, वनमाली सिंह, लाल मोहन मुखियार, निरंजन कालिंदी, कमल स्वासी, हलधर महतो, हरिहर महतो, घनश्याम रविदास, शिव शंकर मुखियार , शैलेश मुखियार समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आजसू ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आयोजित किए कार्यक्रम

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) ने राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो रांची, बुंडू, सोनाहातु, सिल्ली और खिजरी में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देने वाला संविधान देकर ऐतिहासिक योगदान दिया है। सुदेश महतो ने कहा कि संविधान सभा के सदस्यों के विचारों को एक सूत्र में पिरोकर बनाया गया संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि इस संविधान ने नए भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है और बाबा साहब के विचार सामाजिक न्याय की अवधारणा के पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान के माध्यम से आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक वर्गों के साथ-साथ महिलाओं को भी अधिकार प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल हुई है।

इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना जीवन दलितों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया था और संविधान निर्माण में उनके योगदान के लिए राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, केंद्रीय महासचिव राजेन्द्र मेहता, पार्वती देवी, नईम अंसारी, जिलाध्यक्ष संजय महतो, जिला परिषद सदस्य हाकिम अंसारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुलाधिपति से मिली रांची विवि की नवनियुक्त कुलपति

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से 14 अप्रैल को रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। राज्यपाल ने कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय राज्य का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों। यहां के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

संक्षिप्त

रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो हुए सम्मानित

रांची। रातू थाना क्षेत्र में सभी पूजा-पर्व शांतिपूर्ण, हर्षोल्लास एवं भाईचारे के साथ संपन्न हुए। दिन हो या रात, रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो एवं उनकी पूरी टीम द्वारा पूजा के दौरान सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। इसी उपलक्ष्य में आज रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो को आजसू नेता जोगिंदर उरांव एवं छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा द्वारा अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अमलेश प्रजापति सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संतोष कॉलेज में मनी डॉ अंबेडकर जयंती

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन में 14 अप्रैल को डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर प्रशिक्षु शिक्षकों के बीच भाषण प्रतियोगिता हुई। प्रशिक्षु शिक्षकों ने समानता, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बाबा साहेब के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु शिक्षक, शिक्षक एवं सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा सरकार बिहारियों का सपना पूरा करेगी : सुधीर

रांची। स्वतंत्रता के बाद पहली बार बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है इस मौके पर अधिवक्ता सह भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने बताया की भारत की आजादी के बाद यह पहला मौका है जब जनसंघ या भाजपा का मुख्यमंत्री बिहार को मिलेगा। सम्राट चौधरी भाजपा के तरफ से मुख्यमंत्री बनेंगे। बिहार एवं बिहारियों के लिए वह गौरव का पल होगा जब भाजपा का मुख्यमंत्री अपना पद और गोपनीयता का शपथ लेगा।

हाईकोर्ट का आदेश - पूर्व लघु सिंचाई विभाग के कर्मचारियों को दें पेंशन का लाभ

सरकार को 6 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करना होगा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने लघु सिंचाई विभाग के पूर्व कर्मचारियों की पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने नेशनल लोक अदालत के अवॉर्ड को लागू करने का निर्देश देते हुए सरकार को चार सप्ताह के भीतर सभी बकाया भुगतान करने को कहा है। साथ ही, बकाया राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी आदेश दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत का अवॉर्ड अंतिम और बाध्यकारी होता है, इसलिए इसे लागू करना अनिवार्य है।

दरअसल,यह मामला लघु सिंचाई विभाग के पूर्व कर्मचारियों जुबली देवी सहित अन्य याचिकाकताओं से जुड़ा है। उन्होंने वर्ष 2023 में झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर कर मांग की थी कि उनकी पेंशन की गणना उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तारीख से की जाए, न कि नियमितीकरण की तिथि से। बाद में यह विवाद राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलझा, जहां 13 जुलाई 2024 को अवॉर्ड पारित किया गया। इस अवॉर्ड में राज्य सरकार को कर्मचारियों को पेंशन लाभ देने का निर्देश दिया गया था।

लोक अदालत के फैसले के बावजूद राज्य सरकार ने इसे लागू नहीं किया। न ही इसे किसी न्यायिक प्रक्रिया के तहत चुनौती दी गई। इसके बाद याचिकाकताओं ने उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दाखिल की, लेकिन उसे समाप्त कर दिया गया।

इसके बाद उन्होंने वर्ष 2025 में एक नई रिट याचिका दायर की, जिसे भी खारिज कर दिया गया। अंततः इस आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने यह अहम फैसला सुनाया। अदालत ने आज कहा कि सरकार केवल तकनीकी आधार पर राहत से इनकार नहीं कर सकती और उसे अपने दायित्वों का पालन करना होगा। अदालत ने साफ किया कि लोक अदालत के अवॉर्ड का सम्मान करना सभी पक्षों के लिए अनिवार्य है। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह चार सप्ताह के भीतर अवॉर्ड को लागू करे और बकाया राशि का भुगतान 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित करे।

जलाभिषेक के लिए स्थापित घड़े का परिवर्तन किया गया

रांची। मोरहाबादी के आमरकुंज के श्री यज्ञा बाबा आश्रम के दुर्गा मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर

निरंतर जलाभिषेक के लिए स्थापित घड़े (घट) का परिवर्तन किया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्रपाठ एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना कराई गई। पूरा वातावरण हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर मुख्य महंत भरतदास महाराज के सान्निध्य में संपूर्ण अनुष्ठान हुआ। कार्यक्रम में आशुतोष द्विवेदी, मुख्य पुजारी विकास पांडेय, समाजसेवी आकाश दीप सहित कई गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डॉ. अंबेडकर जयंती एवं बैसाखी पर्व का आयोजन

रांची। धुर्वा स्थित स्वामी सहजानंद ब्रिजफोर्ड स्कूल में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती एवं बैसाखी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। बैसाखी के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ऊजार्वान भांगड़ा ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया, जो समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। प्रधानाध्यापिका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भारतीय संविधान के महत्व पर बल दिया और उसके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

मारवाड़ी सम्मेलन ने सर्राफ को किया सम्मानित

रांची। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सामाजिक कार्यकर्ता संजय सर्राफ को उनके

उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में कई समाजसेवा, संगठनात्मक मजबूती और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इस दौरान मारवाड़ महोत्सव के सफल आयोजन एवं मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका के लिए संजय सर्राफ की सराहना की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ संजय हरलालका (कोलकाता) और पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह और पौधा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने संजय सर्राफ के सामाजिक समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर सुरेश चंद्र अग्रवाल, विनोद कुमार जैन, ओम प्रकाश अग्रवाल, सुभाष पटवारी, सज्जन पाड़िया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर भाषण व चित्रांकन प्रतियोगिता

रांची। भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल, मंगलवार को शैक्षणिक संस्थान एक्मी क्लासेज में भाषण एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दर्जनों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने बाबा साहब के सुंदर चित्र बनाए तथा भारत में एकता एवं समानता स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। छात्रों ने अपने भाषणों के माध्यम से उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक निशांत यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाबा साहब के संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और समाज सुधार के कार्यों से अवगत कराना है, ताकि छात्र-छात्राएं उनसे प्रेरणा लेकर हर विपरीत परिस्थिति में भी अपनी पढ़ाई जारी रखें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

सीसीएल मुख्यालय में मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय में मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजुरा और मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को ऐसा संविधान प्रदान किया, जिसने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर सुनिश्चित किया। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि हम आज उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए एकत्रित हुए हैं।

सीएमपीडीआई ने जयंती पर डॉ अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/ईएस) राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी/आरडीएंडटी) नृपेन्द्र नाथ, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी, अधिकारी संघ के सदस्यों, श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों, एससी / एसटी / ओबीसी परिषद, सिस्टा एवं ओबीसी संघ के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर डॉ अंबेडकर के अमिट योगदान को याद किया। बिरसा उच्च विद्यालय के छात्रों ने डॉ अंबेडकर के संघर्षो को जीवंत रूप देने वाले नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर दशकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एससी/एसटी/ओबीसी परिषद के प्रतिनिधि गोरेलाल पासवान, सीआईएसटीईए (सिस्टा) के प्रतिनिधि मनीष दोहरे और ओबीसी संघ के प्रतिनिधि राजेश साव ने अंबेडकर की उपलब्धियों और नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखने वाले कानूनों को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कर्मियों के बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं और कर्मियों के लिए आयोजित आन लाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशकों ने पुरस्कृत किया।

झारखंड में बढ़ी गर्मी की तपिश, 17-18 अप्रैल को लू का अलर्ट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में इन दिनों गर्मी का असर तेज हो गया है। कड़ी धूप और बढ़ते तापमान के कारण लोग दोपहर के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं। दिन के समय मौसम तपता हुआ महसूस हो रहा है। मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 39.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार, अभी तापमान औसत के आसपास है और स्थिति पूरी तरह से असामान्य नहीं है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, 17 और 18 अप्रैल को राज्य के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना है। 17 अप्रैल को राज्य के पश्चिमी और आसपास के मध्य भागों में, जबकि 18 अप्रैल को पश्चिमी, मध्यवर्ती और दक्षिणी क्षेत्रों में कहीं-कहीं लू का प्रभाव देखा जा सकता है। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, शाम होते-होते मौसम सुहावना और ठंडा हो जा रहा है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिल रही है। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री और न्यूनतम 18.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 37.5 डिग्री और न्यूनतम 18.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खालसा मेरो रूप है खास खालसे में हउ करउ निवास....

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा ने मनाया खालसा साजना दिवस

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी, रातु रोड में 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस मनाया गया। विशेष दीवान की शुरूआत सुबह 8 बजे हजूरी राजी जत्था भाई महिपाल सिंह के आसा दी वार कीर्तन से हुई। इसके बाद उन्होंने खालसा मेरो रूप है खास खालसे में हउ करउ निवास.... और देहु सिवा बरु मोहि इहै, सुभ करमन ते कबहूं न टरों न डरूं अरि सौं जब जाइ लरूं, निसचै करि अपनी जीत करूँ..... एवं वाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेला.... शबद गायन कर साध संगत को गुरबाणी से जोड़ा।

गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्दर सिंह ने कथा वाचन करते हुए साध संगत को बताया कि सन 1699 में श्री केशगढ़ साहिब आनंदपुर में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज ने पांच प्यारों को अमृत पान करा कर खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने भी स्वयं उनके हाथों से अमृत ग्रहण कर अमृत पान किया. गुरुवाणी में भी इससे संबंधित प्रसंग 'वाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेला' दर्ज है। श्री केशगढ़ साहिब सिख पंथ के पांच तख्तों में से एक है, जो पंजाब के आनंदपुर साहिब में स्थित है।

श्री अनंद साहिब जी के पाठ, अरदास, हुकुमनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ विशेष दीवान की समाप्ति सुबह 9:30 बजे हुई। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा एवं सचिव सुरेश मिड्ढा ने साथ संगत को खालसा साजना दिवस की बधाई दी। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया।

गुरू नानक सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने जानकारी दी कि गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा और गुरु नानक सेवक जत्था द्वारा वैसाखी एवं श्री गुरु अंगद देव महाराज के प्रकाश पर्व पर 18 एवं 19 अप्रैल को दसवां महान कीर्तन दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

इस उपलक्ष्य में 17 अप्रैल को सुबह 4:45 बजे कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से भव्य नगर कीर्तन निकाला जायेगा। इसमें पांच निशानची और पांच प्यारों की अगुवाई में पुष्प सवारी पर विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को कृष्णा नगर कॉलोनी का भ्रमण कराया जायेगा। साथ ही, बताया कि इस नगर कीर्तन में गुरु नानक सत्संग सभा की कीर्तन मंडली द्वारा रास्ते भर शबद गायन होगा। सभी चौक चौराहों पर श्रद्धालुओं द्वारा नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया जाएगा।

रांची में लोजपा (रामविलास) ने मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती

सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष को किया याद

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की झारखंड प्रदेश इकाई ने मंगलवार को निवारणपुर स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान ने किया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को याद किया। मौके पर बीरेन्द्र प्रधान ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलते हुए राम विलास पासवान ने अपने जीवनकाल में वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया और सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान आज उनके अधूरे सपनों को साकार करने और सामाजिक समरसता, समानता व न्याय के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उमेश तिवारी, आदित्य विजय प्रधान, रतन पासवान, उत्तम राय, शिव, हाफिजुल हसन, हरि राम, ममता रंजन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

टाटा मोटर्स गेट पर स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता की मांग को लेकर प्रदर्शन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित टेल्को थाना क्षेत्र में मंगलवार को टाटा मोटर्स के मुख्य गेट पर स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग को लेकर बंटी सिंह गुट ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गेट जाम कर दिया, जिससे कंपनी के अंदर-बाहर अफरा-तफरी मच गई और उत्पादन कार्य प्रभावित हुआ।

गेट जाम होने के कारण बी शिफ्ट के कर्मचारी कंपनी के अंदर प्रवेश नहीं कर सके, जबकि ए शिफ्ट के कर्मचारी ड्यूटी खत्म होने के बाद बाहर नहीं निकल पाए। सैकड़ों कर्मचारी गेट पर फंसे रहे, जिससे कंपनी की कार्यप्रणाली पर असर पड़ा।

प्रदर्शन के दौरान बंटी सिंह जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे और बड़ी संख्या में समर्थक मौके पर डटे रहे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे बंटी सिंह ने कंपनी प्रबंधन और यूनियन पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं और कर्मचारियों के बच्चों को रोजगार के अवसरों से वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टेल्को और गोविंदपुर थाना की पुलिस के साथ बड़ी संख्या में क्यूआरटी टीम को तैनात किया गया। प्रशासन ने वार्ता के माध्यम से मामला सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका था। टेल्को थाना प्रभारी सुरेश प्रसाद ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं, कंपनी प्रबंधन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जतपुरा में मनी डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

जतपुरा (बिशुनपुरा)। प्रखंड क्षेत्र की सरांग पंचायत अंतर्गत जतपुरा गांव में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी। वार्ड संख्या-2 स्थित अंबेडकर चौक पर अंबेडकर जागरुकता संघ के तत्वावधान में आयोजित समारोह में कई ग्रामीण मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गयी। इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा समाज व राष्ट्र के लिए किए गए अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

ग्रामीणों ने बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसके पश्चात शांतिपूर्ण माहौल में प्रसाद का वितरण किया गया। यह आयोजन क्षेत्र में सामाजिक एकता और जागरूकता का प्रतीक बना।

मौके पर सीताराम (भूमि दाता), सुदामा राम (समाजसेवी), रामाश्रय राम, ठाकुर सत्यनारायण विभूति, बच्चू राम, डॉ. यशवंत प्रजापति (सामाजिक कार्यकर्ता), प्रदीप राम (शिक्षक), केश्वर राम, वार्ड प्रतिनिधि सिद्धेश्वर राम,अशोक राम, नागवंत राम, नीतीश कुमार, विश्वनाथ राम, धर्मदेव राम, विशाल कुमार, अंकित कुमार, अजीत राम, नीलू रवि, दीपक कुमार, पियूष कुमार, भीम कुमार, अभिषेक कुमार, लव कुमार रवि, मनीष कुमार रवि, चितरंजन कुमार, विकास कुमार रवि, धर्मराज कुमार रवि, मिथलेश कुमार रवि, चंद्रावती देवी, शर्मिला देवी, चिंता देवी, प्रमिला देवी, रीना देवी, सोनी देवी, आरती देवी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त

जमशेदपुर में कांग्रेस ने मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती, साकची में प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साकची स्थित पुराना कोर्ट परिसर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परविंदर सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान परविंदर सिंह ने बाबा साहेब के जीवन और योगदान को याद करते हुए कहा कि वे केवल भारतीय संविधान के निमार्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के सशक्त प्रतीक भी थे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन वंचित और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहेब का सपना एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जहां सभी को समान अधिकार और अवसर मिल सके।

कोचिंग सेंटर में मनाई गई डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती

खूंटी। श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर मुरहू में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कोचिंग के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत नींव दी, जिसे आज भी हर नागरिक को समझने और अपनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कोचिंग सेंटर के निदेशक-सह-शिक्षक सकलदीप भगत ने कहा, ह्लडॉ. आंबेडकर केवल एक महान संविधान निमार्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रबल समर्थक थे। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

जमशेदपुर में राष्ट्रीय अग्नि दिवस पर जागरूकता अभियान

अग्नि सुरक्षा और सीपीआर का दिया प्रशिक्षण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर में राष्ट्रीय अग्नि दिवस के अवसर पर मंगलवार को नागरिक सुरक्षा की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत लोगों को आग से बचाव के उपायों के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। शहर के कदमा, सोनारी लिंक रोड पर सुबह की सैर कर रहे लोगों के बीच शुरू हुए इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान पश्चिमी जमशेदपुर विधानसभा के विधायक सरयू राय भी अचानक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने आम लोगों के साथ फायर फाइटिंग तकनीकों को समझा, सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की प्रक्रिया सीखी और स्वयं अग्निशमन यंत्र चलाकर लोगों को प्रेरित किया। उनकी सहभागिता से कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ गया। अभियान के दौरान नागरिक सुरक्षा टीम ने लाइव डेमो के माध्यम से आग पर काबू पाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। गैस सिलेंडर, बिजली के शॉर्ट सर्किट और घरेलू आग जैसी घटनाओं में किस प्रकार त्वरित और सही प्रतिक्रिया दी जाए, यह विस्तार से समझाया गया। साथ ही लोगों को यह संदेश दिया गया कि घबराने के बजाय सही तकनीक अपनाने से बड़े हादसों को रोका जा सकता है। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सीपीआर प्रशिक्षण रहा, जिसमें लोगों को सिखाया गया कि यदि किसी व्यक्ति को अचानक दिल का दौरा पड़े या वह बेहोश हो जाए, तो शुरूआती समय में किस तरह प्राथमिक उपचार देकर उसकी जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षकों ने चरणबद्ध तरीके से डेमो देकर प्रतिभागियों को अभ्यास भी कराया। इस जागरूकता अभियान की रूपरेखा सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अरुण कुमार, वरिष्ठ सहायक सुरेश प्रसाद और समाजसेवी विक्रम सिंह ने तैयार की, जबकि जितेंद्र तिवारी ने फायर सेफ्टी और सीपीआर से जुड़ी तकनीकी जानकारी साझा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिविल डिफेंस के कई स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर विधायक सरयू राय ने कहा कि इस तरह के जन-जागरूकता कार्यक्रम शहर के हर मोहल्ले और संस्थानों में नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने घरों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग बुझाने का यंत्र रखने और नए भवनों में अग्नि सुरक्षा प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने की अपील की।

प्रभात फैब्रिकेटर कंपनी में न्यूनतम वेतन नहीं मिलने से मजदूरों में आक्रोश

सरायकेला। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रभात फेब्रिकेटर कंपनी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कंपनी पर कार्यरत मजदूरों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यहां श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है और उन्हें निर्धारित न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया जा रहा है। मजदूरों का कहना है कि बार-बार मांग करने के बावजूद प्रबंधन उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है। उल्टा, जो श्रमिक न्यूनतम वेतन या अन्य सुविधाओं की बात करते हैं, उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है या सीधे काम से हटा दिया जाता है। मजदूरों ने बताई अपनी पीड़ा कंपनी में कार्यरत कई मजदूरों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें तय मानकों से काफी कम मजदूरी दी जा रही है। उनका कहना है कि जब भी हम लोग न्यूनतम वेतन की मांग करते हैं, तो प्रबंधन नाराज हो जाता है। कई बार साथ काम करने वाले मजदूरों को सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया क्योंकि उन्होंने अपने हक की बात उठाई थी। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी में ओवरटाइम का भुगतान भी सही तरीके से नहीं किया जाता और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं हैं, जिससे कार्यस्थल पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है। श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोप श्रमिकों का कहना है कि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन अधिनियम का पालन नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, ईएसआई और पीएफ जैसी मूलभूत सुविधाएं भी कई मजदूरों को उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। प्रशासन से कार्रवाई की मांग पीड़ित मजदूरों ने जिला प्रशासन और श्रम विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। प्रबंधन की प्रतिक्रिया नहीं मिली इस संबंध में जब प्रभात फैब्रिकेशन कंपनी के प्रबंधन पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और श्रमिकों को उनका हक दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने फतह किया माउंट एवरेस्ट बेस कैंप

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा निवासी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक सफलतापूर्वक पहुंचकर एक प्रेरणादायक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मंगलवार को अपने इस साहसिक अभियान के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार यात्राओं में से एक रही। कुणाल षाड़ंगी ने बताया कि एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचना केवल शारीरिक ताकत का नहीं,बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी बड़ा इम्तिहान होता है। इस यात्रा के दौरान उन्हें बर्फ से ढके दुर्गम रास्तों,शून्य से नीचे तापमान, तेज हवाओं और कम ऑक्सीजन जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सांस लेने में कठिनाई और थकान के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस ट्रेक ने उन्हें खुद को करीब से जानने और अपनी सीमाओं को परखने का मौका दिया। हर कदम पर चुनौती थी, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और मजबूत बनाया।

खड़े हाईवा से टकराई बाइक पति की मौत, पत्नी घायल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटाझहाता मुख्य मार्ग पर मंगलवार सुबह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। यह घटना सुबह करीब पांच बजे तुड़ी गांव के समीप,पेट्रोल पंप के पास हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार,श्याम सिंह मुंडा(50) मूल रूप से पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर अनुमंडल के उलीडीह गांव के रहने वाले थे और वर्तमान में जमशेदपुर के बिरसानगर में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। मंगलवार की सुबह वह अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल से अपने पैतृक गांव उलीडीह जा रहे थे। इसी दौरान तुड़ी गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक हाईवा वाहन से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि श्याम सिंह मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी पत्नी भी सड़क पर गिरकर जख्मी हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पिपरी कला में भाजपा ने मनाई बाबा साहेब की जयंती, किया माल्यार्पण

बिशुनपुरा (गढ़वा)। संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर पिपरी कला पंचायत भवन के समीप उनकी प्रतिमा पर भारतीय जनता पार्टी ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल के कृष्णा विश्वकर्मा ने की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब डॉ अंबेडकर ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और अधिकार की लड़ाई का प्रतीक है। मौके पर प्रखंड उप प्रमुख प्रतिनिधि सह भाजपा पंचायत संयोजक अजय पाल, भाजयुमो जिला सोशल मीडिया प्रभारी जितेंद्र दीक्षित, मंडल उपाध्यक्ष जगदीश चंद्रवंशी, अमहर पंचायत संयोजक अनिरुद्ध मेहता, भाजपा नेता मंदीप मेहता, पंचायत सह संयोजक मुकेश बीयार, मो .अमानत अंसारी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरआईटी में अंबेडकर जयंती पर सामाजिक न्याय का संदेश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को आरआईटी स्थित अंबेडकर चौक पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड संख्या 27 में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस दौरान उपस्थित पार्षदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को आत्मसात करने और समाज में समानता व न्याय की स्थापना के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वार्ड 29 की पार्षद अर्चना सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और इसके मूल्यों की रक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

वहीं, वार्ड 27 की पार्षद रिंकी कुमारी ने अपने संबोधन में संविधान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक समाज की स्थापना संभव है। उन्होंने लोगों से सामाजिक भेदभाव के खिलाफ जागरूक रहने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम में वार्ड 24 के पार्षद राम प्रसाद मुखी, वार्ड 26 के पार्षद बेदना गोप, वार्ड 35 की पार्षद संगीता सामड समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार का संकल्प लिया। अंबेडकर जयंती के इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

पूर्वी सिंहभूम। सुंदरनगर थाना क्षेत्र के नंदूप गांव में मंगलवार की सुबह 65 वर्षीय सिदयू सोय की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिदयू सोय रोजाना की तरह सुबह करीब पांच बजे घर से शौच के लिए निकले थे। इस दौरान उन्हें रेलवे ट्रैक पार करना था। जैसे ही वे पटरी पार करने लगे, तभी तेज गति से आ रही ट्रेन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं मिला और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

चक्रधरपुर मंडल में रेल परिचालन प्रभावित, कई ट्रेनें रद्द और मार्ग परिवर्तित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। दक्षिण पूर्व रेलवे के पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल में हाल के दिनों में मवेशियों के रेलवे ट्रैक पर आने और बिना कारण चेन पुलिंग की घटनाओं से रेल परिचालन पर गंभीर असर पड़ा है। रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहा है। मंगलवार को रेलवे की ओर दी गई जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 के बीच मवेशियों के कारण कुल 11 घंटे 19 मिनट (679 मिनट) का डिटेंशन दर्ज किया गया, जिससे 24 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इस दौरान टाटा-झारसुगुड़ा और नुआगांव-राउरकेला सेक्शन सबसे अधिक प्रभावित रहे। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि बिना किसी वैध कारण के इमरजेंसी चेन पुलिंग करना दंडनीय अपराध है। जनवरी 2026 से 8 अप्रैल 2026 तक कुल 297 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 276 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जनवरी में 94 मामलों में 88 गिरफ्तारी, फरवरी में 74 मामलों में 68 गिरफ्तारी, मार्च में 141 मामलों में 99 गिरफ्तारी और अप्रैल (8 अप्रैल तक) में 30 मामलों में 26 गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 29 ट्रेनों में चेन पुलिंग करने वाले आरोपितों को भी हिरासत में लिया गया। रेलवे प्रशासन ने मंगलवार को बताया कि परिचालन को सुचारू बनाने के लिए कई ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द, रीशेड्यूल और डायवर्ट किया गया है। 14अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच आद्रा-आसनसोल, आद्रा-मिदनापुर, बोकारो-चंद्रपुरा सहित कई मेमू ट्रेनों को रद्द किया गया है। कुछ ट्रेनों को आद्रा स्टेशन तक सीमित कर दिया गया है, जबकि कई ट्रेनों के समय में 1 से 2 घंटे तक बदलाव किया गया है। टाटा-हटिया एक्सप्रेस को निर्धारित मार्ग के बजाय सीनी-गुंडा बिहारी-मुरी मार्ग से चलाया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 01441/01442 पुणे-सांतरागाछी-पुणे समर स्पेशल ट्रेन भी चलाने की घोषणा की है, जो अप्रैल माह में निर्धारित तिथियों पर विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेगी। रेलवे प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को ट्रैक के पास न छोड़ें और बिना कारण चेन पुलिंग न करें, ताकि रेल सेवाएं सुरक्षित और समय पर संचालित हो सकें।

मकान में लगी आग, आठ लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध गांव में सोमवार रात दिलीप पाठक के खपड़ापोस मकान में आग लग गई। इस हादसे में 50 हजार रुपये नगद सहित करीब आठ लाख की संपत्ति जल कर नष्ट हो गई। अग्निशमन दल ने ग्रामीणों की मदद से तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूरा मकान जल जाने से दिलीप पाठक और उनका पूरा परिवार सड़क पर आ गया है। शादी की तैयारी की खुशियां मातम में बदल गई है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात 10:30 बजे घर के भीतर जलाए गए मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से आग लग गई। घटना के समय परिवार के लोग सोए हुए थे। इस कारण आग लगने की जानकारी समय पर नहीं हुई। देखते-देखते कंडी- बांस का कच्चा मकान जलने लगा। घर के सदस्यों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर आसपास के लोग जुटे और मोटर पंप के सहारे आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसी बीच सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 3 घंटे तक मेहनत करने के बाद आग बुझाई।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर निकली भव्य रैली

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। डॉ भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर भीम आर्मी के तत्वावधान में शहर में भव्य रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरूआत बीएड कॉलेज मैदान से हुई, जिसका नेतृत्व भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार दास ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशीफ रज्जा सिद्दीकी शामिल हुए। रैली में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और युवाओं की भागीदारी देखने को मिली। महारैली बीएड कॉलेज परिसर से निकलकर बरमसिया अंबेडकर चौक होते हुए शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई टॉवर चौक तक पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने और सामाजिक समानता और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार दास ने कहा कि बाबा साहब का बनाया गया संविधान देश के सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है और इसका सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। वहीं काशीफ रज्जा सिद्दीकी ने कहा कि बाबा साहब ने समाज में समानता का संदेश दिया था, लेकिन आज भी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। वहीं भीम आर्मी के गोपाल दास ने कहा कि अंबेडकर जयंती के अवसर पर पूरा देवघर नीली क्रांति के रंग में रंग गया है । कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य नंदकिशोर दास ने कहा कि बाबा साहब की जयंती देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मनाई जा रही है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। मौके पर नगर उपाध्यक्ष दीपक दास, आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार, जिला सचिव संजय दास सहित कई गणमान्य लोग और सैकड़ों की संख्या में युवा उपस्थित थे।

जयंती पर याद किए गए डॉ. भीम राव अंबेडकर, लोगों ने चढ़ाए श्रद्धा के फूल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

आदित्यपुर। पीएनविएस श्रमिक एवं निर्माण स्वावलंबी सहयोग समिति के अध्यक्ष राम चन्द्र पासवान के आवास में डॉ भीम राव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर डॉ अंबेडकर की तस्वीर पर अध्यक्ष राम चन्द्र पासवान ने माल्यार्पण किया और उपस्थित सभी सम्मानीय अतिथियों ने पुष्प अर्पित किए।
इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने डॉ अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया और संविधान की शपथ ली। संबोधन में रामचंद्र पासवान ने कहा कि डॉ अंबेडकर का सपना था -शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो। इस अवसर पर भारत संस्कार के अध्यक्ष विनोद वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष एस डी प्रसाद, अनिल कुमार शिक्षक, विश्व मोहन प्रसाद ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मदन राम, जवाहर लाल सिंह,(मामा जी) आदि के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त

राष्ट्र-निर्माण में बाबा साहेब की रही है अहम भूमिका : भाजपा

रामगढ़। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती रामगढ़ में धूमधाम से मनाई गई। भाजपा नेताओं ने अंबेडकर पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित किया और समानता के संकल्प को दोहराया। भारतीय संविधान के निमार्ता, सामाजिक न्याय के प्रणेता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर रामगढ़ कैंट मण्डल भाजपा की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर अध्यक्ष सुशांत कुमार पांडेय की अगुवाई में भाजपा कार्यकताओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। नगर अध्यक्ष सुशांत कुमार पांडेय ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक दल या वर्ग के नेता नहीं थे। बल्कि वे संपूर्ण मानवता और न्याय के पैरोकार थे। बाबा साहब ने स्वतंत्र भारत में समाज के हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी जाति या पंथ का हो, समान अधिकार और समान अवसर दिलाया। संविधान ही आज हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता महेंद्र प्रजापति, रंजन सिंह फौजी, राजेश ठाकुर, अमित कुमार खेतान, बिनु देवी, ऋषिकेश सिंह, सौरभ जायसवाल, ब्रजेश पाठक, जीतू यादव, आकाश गुप्ता, अमर कुशवाहा, सुदीप मिश्रा, रोशन कुमार, दिनेश कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

खूंटी। सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में मंगलवार को जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में संविधान निमार्ता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब ने हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मंत्र दिया। संविधान के माध्यम से उन्होंने हर वर्ग, हर समाज को न्याय और सम्मान से जीने का अधिकार दिया।

देसी कार्बाइन और पिस्तौल के साथ राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। जिले में गैंगस्टर पर रामगढ़ एसपी का हर दांव भारी पड़ रहा है। पतरातू क्षेत्र में गोलीबारी की घटना को अंजाम देने के लिए निकले राहुल दुबे गैंग के दो अपराधियों को पुलिस ने घटना करने से पहले ही दबोच लिया। उनके पास से एक देसी कार्बाइन, एक देशी पिस्तौल, पांच जिंदा गोली बरामद की गई है। मंगलवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने इस मामले की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी बाईक जेएच 02 एबी 5319 पर सवार होकर किसी अपराध को अंजाम देने के लिए निकले थे। लेकिन पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में चल रही एंटी क्राइम चेकिंग के जाल में फंस गए। पतरातू थाना क्षेत्र के हेसला गांव के समीप पुलिस ने बाइक पर सवार दो व्यक्तियों को रोका। पूछताछ के दौरान उन लोगों ने अपना नाम हेसला निवासी कारण करमाली और जनता नगर टाइप-1 निवासी शिवम मिश्रा उर्फ शिवम आनंद उर्फ नंदू बताया। पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो कारण करमाली के पास से 7.65 एमएम का लोडेड देशी पिस्तौल मिला। उसके पिस्टल में तीन गोलियां मौजूद थीं। साथ ही बाइक के करियर में एक थैला भी टंगा हुआ मिला, जिससे 9 एमएम का लोडेड देशी कार्बाइन बरामद किया गया। उस कार्बाइन में दो गोली मौजूद थी। उन लोगों ने बताया कि वे लोग राहुल दुबे गैंग के लिए काम करते हैं और राहुल दुबे के इशारे पर ही गोली चलाने के लिए निकले थे। एसपी ने बताया कि करण करमाली और शिवम मिश्रा ने एक दूसरी घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उन लोगों ने पूछताछ में बताया कि 04 अप्रैल को पतरातु स्थित ओसम डेयरी प्लांट में भी गोलीबारी हुई थी। वहां गोली चलाने में भी वे दोनों शामिल रहे थे। छापेमारी में पतरातू इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, भदानीनगर ओपी प्रभारी अख्तर अली, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, गोला थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा शामिल थे।

पश्चिमी सिंहभूम में भारी वाहनों पर दिन में रोक की मांग तेज, 26 अप्रैल से चाईबासा-रांची न्याययात्रा की घोषणा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में भारी वाहनों की दिन में आवाजाही पर रोक लगाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन तेज हो गया है। चाईबासा बाइपास सड़क (डोबरोसाईझगितिलपी मार्ग) और एनएच-75 (ई) पर लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं से आक्रोशित लोगों ने अब आंदोलन को व्यापक रूप देने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने घोषणा की है कि 26 अप्रैल से चाईबासा से रांची तक यायययात्रा निकाली जाएगी, जो 1 मई को रांची पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपेगी। मंगलवार को सिंहपोखरिया गांव में नो एंट्री आंदोलन समिति द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से समर्थन मांगा गया। समिति के संयोजक रमेश बालमुचू ने कहा कि भारी वाहनों के अनियंत्रित परिचालन के कारण हर महीने सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं।

विधायक को सहायक अध्यापकों ने सौंपा ज्ञापन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास को मंगलवार को बड़ी संख्या में सहायक अध्यापकों ने ज्ञापन सौंपकर अपनी विभिन्न मांगों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। इस दौरान शिक्षकों ने लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। ज्ञापन में सहायक अध्यापकों ने आकलन को बिहार की तर्ज पर समतुल्य जेटेट का दर्जा देने, समान काम के लिए समान वेतन लागू करने, सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 62 वर्ष करने और पूर्व में हुए समझौते को अविलंब लागू करने की मांग उठाई। इसके साथ ही शिक्षकों ने विधायक को आगामी 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष प्रस्तावित आमरण अनशन कार्यक्रम की भी जानकारी दी। मौके पर विधायक ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को आगामी विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल के दौरान उठाया जाएगा। बैठक में अभय सिंह, उदय कुमार सिंह, राजू मिश्रा, फणीश्वर यादव, विकास त्रिवेदी, अभय कुमार सिंह, रवींद्र यादव, मंटू कुमार, उमेश कुमार सिंह, सतीश कुमार, धनेश्वर कुमार, अजय कुमार दांगी, संतोष वर्मा, ध्रुवनाथ शर्मा सहित कई सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

किराया बढ़ोतरी के विरोध में व्यापारियों ने आंदोलन की बनाई रणनीति

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। सोनारी स्थित कागल नगर बाजार में दुकानों के किराया वृद्धि के खिलाफ मंगलवार को व्यापारियों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। ऑल मार्केट एसोसिएशन के बैनर तले सोनारी संयुक्त बाजार समिति की ओर से आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में दुकानदार शामिल हुए और प्रशासनिक फैसले पर नाराजगी जताई। बैठक में वक्ताओं ने जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना और स्पष्ट दिशा-निर्देश के दुकानों का किराया बढ़ाना पूरी तरह अनुचित है। व्यापारियों का कहना था कि इस निर्णय के पीछे किस नियम या आदेश का पालन किया गया है, इसका स्पष्ट जवाब भी प्रशासन की ओर से नहीं दिया जा रहा है, जिससे असंतोष और बढ़ गया है। महासचिव नसीम अंसारी ने कहा कि यह निर्णय व्यापारियों के हितों के खिलाफ है और इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिलकर इस मुद्दे को उठाएगा। यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा और व्यापारी सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे। समिति के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने भी व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि एसोसिएशन के एक आह्वान पर सभी दुकानदार संघर्ष के लिए तैयार हैं और एकजुटता के साथ अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। बैठक में किराया वृद्धि वापस लो और व्यापारी एकता जिंदाबाद के नारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने की, जबकि संचालन शंकर प्रसाद ने किया। इस दौरान एसोसिएशन के महासचिव नसीम अंसारी सहित बृजेश गोहिल, अधिवक्ता संजय सिंह, दुर्गा दास साहू, निखिल कुमार, शमीम उर रहमान और धर्मेश अडेसरा सहित अन्य उपस्थित थे।

नहीं रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह मदन मोहन गुप्ता

खूंटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह, जिला बौद्धिक प्रमुख, जिला संघ चालक जैसे पद को सुशोभित कर चुके मदन मोहन गुप्ता का सोमवार की रात निधन हो गया। इनके निधन की खबर मिलते पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।। मदन मोहन गुप्ता रामनवमी महासमिति ,गायत्री परिवार सहित कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े थे। मदन मोहन गुप्ता के निधन पर पद्मभूषण कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार, प्रियांक भगत, अनूप साहू, सुनील साहू, जितेंद्र कश्यप, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, ओपी कश्यप, संजय साहू, निखिल कंडुलना, संतोष जायसवाल, विनोद जायसवाल सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में पद्मभूषण कड़िया मुंडा ने कहा कि मदन मोहन गुप्ता बहुत ही मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्ति थे। सामाजिक धार्मिक काम में उनकी सहभागिता सदैव बढ़-चढ़ कर रहती थी। उनके निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। मदन मोहन गुप्ता पिछले चार वर्षो से विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित थे।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जिला प्रशासन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

खूंटी। भारतीय संविधान के निमार्ता, महान समाज सुधारक एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर समाहरणालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त आर. रॉनिटा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे,बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री,विधिवेता और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता,स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने एवं समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं कर्मीगण की ओर से बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। इसके पूर्व उपायुक्त आर० रॉनिटा, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप,अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी,जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम,डीसीएलआर अरविंद ओझा,नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी,जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील,कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

खूंटी के अम्मापकना में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया नमन

खूंटी। खूंटी जिले के तोरपा मंडल अंतर्गत अम्मापकना गांव में मंगलवार को ह्यभारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तोरपा मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं ने डॉ. अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुबोध कुमार ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे भारतीय संविधान के निमार्ता थे और उन्होंने दलितों, महिलाओं तथा श्रमिकों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने समाज में व्याप्त असमानता के खिलाफ आवाज उठाई और समानता, न्याय एवं अधिकारों की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर को ह्यबाबासाहेबह्ल के नाम से भी जाना जाता है और वर्ष 1990 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यभारत रत्नह्ल से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सुनीता देवी, रामधन साहू, बोधो साहू, गोबर्धन, सत्यम, आकाश, खुशी, माधुरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चतरा के नोनगांव में 108 हनुमंत-सह-शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ

कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय अनुष्ठान शुरू

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत नोनगांव पंचायत मुख्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 108 हनुमत सह शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। उत्तरवाहिनी बुद्ध नदी से शुरू हुई यह कलश यात्रा पूरे पंचायत मुख्यालय में धार्मिक वातावरण से गुंजायमान होती हुई आगे बढ़ी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने गांव के प्राचीन अखाड़ा और मंदिरों की परिक्रमा कर देवी-देवताओं का विधिवत पूजन किया। इस पावन अवसर पर सैकड़ों महिलाएं और युवतियां कलश लेकर यात्रा में शामिल हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में रंग गया। देवी-देवताओं के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। महायज्ञ के आचार्य संदीप शर्मा, विजय पांडेय, उमेश पांडेय, किशोरी शर्मा सहित अन्य कर्मकांडी आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां गंगा का आह्वान किया और गंगा पूजन एवं आरती संपन्न कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरकर यात्रा को आगे बढ़ाया। चिलचिलाती धूप के बावजूद प्रमुख मनीषा कुमारी, मुखिया संगीता सिंहा, पंचायत प्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकताओं सहित सैकड़ों ग्रामीण नंगे पांव श्रद्धा और भक्ति के साथ इस धार्मिक यात्रा में शामिल हुए।

पुलिस ने महिला को तेलंगाना से किया बरामद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। घर से फरार हुई एक शादीशुदा महिला को पुलिस ने 14 दिनों के अंदर सकुशल रूप से तेलंगाना से बरामद कर लिया है। महिला पत्थलगडा गांव की प्रियंका कुमारी (26) है। उसकी एक छोटी बच्ची भी है। जिसे सकुशल बरामद कर लिया है। इस संबंध में मंगलवार को थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि महिला के गुमशुदगी के संबंध में पत्थलगडा थाना में सनहा दर्ज किया गया था। महिला के परिजनों ने उसके लापता होने की सूचना थाना में दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर लगातार खोजबीन शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित स्थानों पर छापेमारी और सूचना संकलन किया। लगातार प्रयास के बाद पुलिस ने मंगलवार को महिला को तेलंगाना राज्य के जहीराबाद से सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

संपादकीय

भारत की वैज्ञानिक छलांग

भारत की वैज्ञानिक प्रगति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां से न केवल उसकी ऊर्जा नीति, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में उसकी भूमिका भी बदलती नजर आ रही है। कलपक्कम में तैयार प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसी परिवर्तन का प्रतीक बनकर उभरा है। दशकों के शोध, संघर्ष और तकनीकी चुनौतियों के बाद यह उपलब्धि भारत के परमाणु सपने को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। भारत के तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम का यह सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। देश में यूरेनियम संसाधन सीमित हैं, जबकि थोरियम के विशाल भंडार उपलब्ध हैं। ऐसे में यह रिएक्टर केवल बिजली उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य के ईंधन की सुरक्षा का आधार भी है। इसकी ह्यब्रीडिंगह्ण क्षमता-यानी जितना ईंधन खर्च होता है, उससे अधिक उत्पादन करना-इसे साधारण रिएक्टरों से अलग बनाती है और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करती है, जिनके पास उन्नत परमाणु तकनीक है। मिश्रित ऑक्साइड ईंधन और सोडियम कूलिंग जैसी जटिल तकनीकों का सफल उपयोग इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता भी बन चुका है। हालांकि, इस सफलता के पीछे एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर रहा है। परियोजना को कई बार देरी, लागत वृद्धि और तकनीकी अड़चनों का सामना करना पड़ा। लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की दृढ़ता ने यह साबित कर दिया कि संकल्प और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस रिएक्टर का सबसे बड़ा महत्व इसकी सामरिक उपयोगिता में निहित है। आज जब दुनिया ऊर्जा संकट, तेल-गैस की राजनीति और वैश्विक अस्थिरता से जूझ रही है, ऐसे समय में भारत का यह कदम उसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। परमाणु ऊर्जा केवल बिजली का स्रोत नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार भी है। रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना भारत के दीर्घकालिक विजन का हिस्सा है। थोरियम आधारित ऊर्जा कार्यक्रम आने वाले दशकों तक देश को स्थायी और सस्ती ऊर्जा प्रदान कर सकता है। इससे न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को भी नई ताकत मिलेगी। फिर भी, चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। सुरक्षा मानकों का पालन, परमाणु अपशिष्ट का प्रबंधन और लागत नियंत्रण जैसे मुद्दे अभी भी गंभीर हैं। इन पर सतत निगरानी और सुधार की आवश्यकता होगी।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में जमी बर्फ पिघली!

अरूनिम भुयान

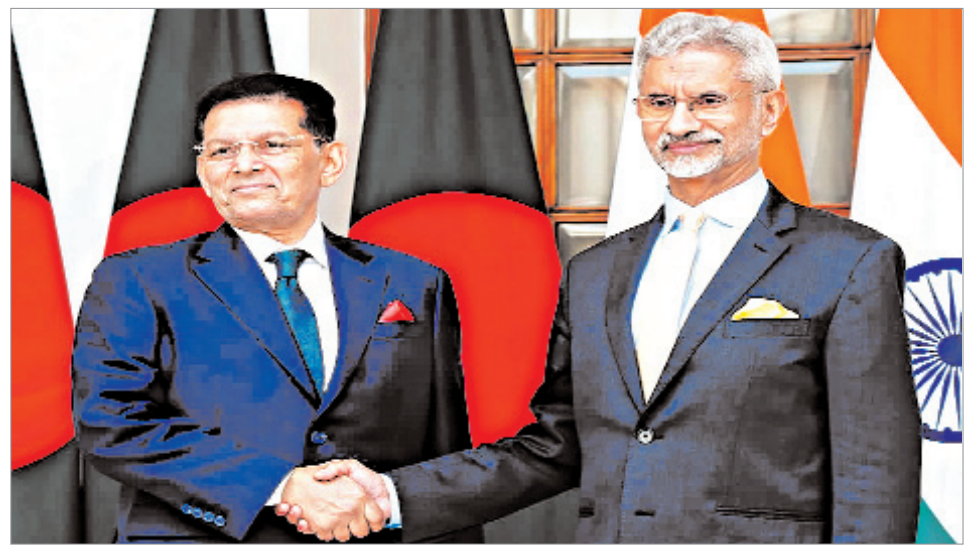

पिछले एक दशक से अधिक समय तक, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश ने रणनीतिक, आर्थिक और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में बहुत करीबी और सहयोगात्मक संबंध विकसित किए थे। भारत, एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था और दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और कनेक्टिविटी की पहल को लेकर गहरा सहयोग था। अगस्त 2024 में, बांग्लादेश में हुए बड़े जन-आंदोलनों के कारण शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ। यह लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक हालातों में एक बड़ा और नाटकीय बदलाव था। यूनुस के कार्यकाल के दौरान, भारत के साथ संबंधों में काफी गिरावट आई। ढाका ने शेख हसीना को भारत के समर्थन और बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में उसके कथित हस्तक्षेप की खुलकर आलोचना की। ढाका की ओर से समय-समय पर ऐसी बयानबाजी हुई जिससे इस क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को चुनौती मिली और चीन के साथ करीबी बढ़ाने की कोशिशें की गईं। भारत ने इसके जवाब में वीजा सेवाओं को सख्त कर दिया और अपने राजनयिक मेल-मिलाप के तरीके को बदल लिया। उच्च राजनीतिक स्तर पर बातचीत की कमी और आपसी संदेह के कारण सहयोग के पारंपरिक रास्ते लगभग रुक से गए थे। इसी पृष्ठभूमि में, बुधवार को जयशंकर और रहमान के बीच हुई मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह दोनों देशों के बीच उस राजनीतिक उत्साह को फिर से बहाल करने की पहली बड़ी कोशिश है, जो पिछले कुछ समय से थम गया था। करीबी संपर्क में रहने की सहमति और रिश्तों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा यह संकेत देती है कि दोनों पक्ष अब एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने के बजाय व्यावहारिक बातचीत की ओर बढ़ रहे हैं।

हैदराबाद हाउस में हुई बैठक के बाद, रहमान ने जयशंकर के साथ एक निजी मुलाकात भी की। बांग्लादेश की समाचार वेबसाइट प्रथम आलो की एक रिपोर्ट के अनुसार, ढाका के राजनयिक सूत्रों ने संकेत दिया कि दोनों पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ क्षेत्रीय विषयों पर भी चर्चा की। रिपोर्ट में बताया गया है, जयशंकर के साथ हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी मौजूद थे। वे विदेश मंत्री के साथ दिल्ली यात्रा पर आए थे। निरंतर संपर्क में रहने की सहमति यह दशार्ती है कि दोनों पक्ष अब फिर से एक व्यवस्थित रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंध लगभग पूरी तरह थम गए थे। दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई यह खटास खुले विरोध के रूप में तो नहीं थी, लेकिन राजनीतिक मेल-मिलाप में साफ तौर पर कमी आई थी और दोनों पक्षों में बेचैनी बढ़ रही थी। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान, ढाका ने अपनी विदेश नीति को बदला और समय-समय पर भारत की शेख हसीना सरकार के साथ नजदीकियों को लेकर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। जवाब में, नई दिल्ली ने भी सतर्क रुख अपनाया। भारत ने बांग्लादेश के आंतरिक राजनीतिक घटनाक्रमों पर नजर रखते हुए उच्च स्तरीय बातचीत को सीमित कर दिया। व्यापार, कनेक्टिविटी, वीजा, सीमा प्रबंधन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तकनीकी स्तर पर सहयोग तो जारी रहा, लेकिन वह राजनीतिक उत्साह गायब था जिसने पिछले एक दशक से द्विपक्षीय संबंधों को परिभाषित किया था।

पिछले एक दशक से अधिक समय तक, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश ने रणनीतिक, आर्थिक और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में बहुत करीबी और सहयोगात्मक संबंध विकसित किए थे। भारत, एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था और दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और कनेक्टिविटी की पहल को लेकर गहरा सहयोग था। अगस्त 2024 में, बांग्लादेश में हुए बड़े जन-आंदोलनों के कारण शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ। यह लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक हालातों में एक बड़ा और नाटकीय बदलाव था। यूनुस के कार्यकाल के दौरान, भारत के साथ संबंधों में काफी गिरावट आई। ढाका ने शेख हसीना को भारत के समर्थन और बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में उसके कथित हस्तक्षेप की खुलकर आलोचना की। ढाका की ओर से समय-समय पर ऐसी बयानबाजी हुई जिससे इस क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को चुनौती मिली और चीन के साथ करीबी बढ़ाने की कोशिशें की गईं। भारत ने इसके जवाब में वीजा सेवाओं को सख्त कर दिया और अपने राजनयिक मेल-मिलाप के तरीके को बदल लिया। उच्च राजनीतिक स्तर पर बातचीत की कमी और आपसी संदेह के कारण सहयोग के पारंपरिक रास्ते लगभग रुक से गए थे। इसी पृष्ठभूमि में, बुधवार को जयशंकर और रहमान के बीच हुई मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह दोनों देशों के बीच उस राजनीतिक उत्साह को फिर से बहाल करने की पहली बड़ी कोशिश है, जो पिछले कुछ समय से थम गया था। करीबी संपर्क में रहने की सहमति और रिश्तों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा यह संकेत देती है कि दोनों पक्ष अब एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने के बजाय व्यावहारिक बातचीत की ओर बढ़ रहे हैं।

यह मौजूदा कोशिश अतीत जैसी पुरानी गर्मजोशी को तुरंत वापस लाने के बजाय, नियमित बातचीत के जरिए रिश्तों को स्थिर करने और भरोसा दोबारा कायम करने पर केंद्रित लगती है। इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में सहयोग के रास्ते फिर से खोलना है जहां पिछले एक साल की राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद दोनों देशों के आपसी हित आज भी मजबूती से जुड़े हुए हैं। मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद खलीलुर रहमान ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक की। बांग्लादेश की वेबसाइट द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रहमान की भारत यात्रा से पहले उनके सलाहकार कबीर ने भारत के साथ व्यक्ति-केंद्रित संबंधों के बजाय जन-स्तर पर रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ एक नया रिश्ता विकसित करना चाहता है, जो शेख हसीना के दौर के संबंधों से अलग हो। प्रधानमंत्री तारिक रहमान और भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के बीच हुई मुलाकात के बाद कबीर ने मीडिया से कहा, यह बांग्लादेश और भारत के बीच एक नया रिश्ता है। अब बांग्लादेश में हसीना की अवामी लीग जैसा कुछ नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय द्वारा एक्स पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री रहमान और प्रणय वर्मा की इस बैठक में व्यापार, कनेक्टिविटी, तकनीक, ऊर्जा, सामाजिक-आर्थिक विकास, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक सहयोग सहित आपसी हित के द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के बयान को देखें, तो मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच यह बातचीत कूटनीतिक संवाद को फिर से सामान्य बनाने में मदद करेगी, जो मतभेदों को सुलझाने और सहयोग बढ़ाने के लिए पहली जरूरत है। संबंधों में आई खटास से पहले भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत व्यापारिक रिश्ते थे। अब व्यापारिक संबंधों को फिर से पूरी क्षमता के साथ शुरू करने, निर्यात प्रतिबंधों को हटाने और वीजा संबंधी समस्याओं को सुलझाने से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। पिछले कुछ वर्षों में वीजा सेवाओं और सीमा पार आवाजाही में जो कटौती की गई थी, रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने के लिए वे शुरूआती प्राथमिकता वाले क्षेत्र हो सकते हैं।

जैसे-जैसे भरोसा फिर से कायम होगा, सीमा पर नागरिकों की मृत्यु और सुरक्षा सहयोग जैसे छोटे लेकिन परेशान करने वाले मुद्दों को सुलझाना एजेंडे में शामिल होगा। इसके अलावा, तीस्ता और गंगा नदी के जल बंटवारे जैसे पुराने विवादों और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर भी आने वाले समय में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच चर्चा होने की उम्मीद है।बांग्लादेश में भारत के पूर्व उच्चायुक्त पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने कहा कि जयशंकर और रहमान के बीच हुई यह मुलाकात अच्छी रही और उम्मीद है कि यह बातचीत आगे भी जारी रहेगी। चक्रवर्ती ने ईटीवी भारत से बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि इस मुलाकात में वीजा, ऊर्जा सहयोग, पेट्रोकेमिकल्स की आपूर्ति, सीमा प्रबंधन और कनेक्टिविटी (संपर्क) को फिर से बहाल करने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया होगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बांग्लादेश में भारत की विकास परियोजनाओं को दोबारा शुरू करना भी बेहद महत्वपूर्ण है। चक्रवर्ती के विचारों से सहमति जताते हुए, नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक आरआईएस के प्रोफेसर और बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था व राजनीति के विशेषज्ञ प्रबीर डे ने कहा कि बुधवार को जयशंकर और रहमान के बीच हुई बैठक बहुत सकारात्मक थी और इस लय को बनाए रखा जाना चाहिए। प्रबीर डे ने कहा, रहमान ने अजीत डोभाल और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ भी बैठकें कीं। जब विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, तो इसका मतलब निश्चित रूप से ईरान संकट के संदर्भ में ऊर्जा सहयोग रहा होगा। भारत, बांग्लादेश को डीजल की आपूर्ति करने के लिए सहमत हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि एक और मुद्दा जो चर्चा में आया होगा, वह असम और पश्चिम बंगाल की सुरक्षा है, क्योंकि इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

- (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)

क्यों बच्चों में घट रहे हैं संस्कार और जिम्मेदारी

रेखा शाह आरबी

सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों में संस्कार, शिष्टाचार, विनम्रता, बड़ों के प्रति आदर भाव, देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारी और नैतिक मूल्य भरे हों। मगर जब वे अपने बच्चों के भीतर इन मूल्यों का अभाव देखते हैं, तो कई बार चिंता में घिर जाते हैं, सोच में पड़ जाते हैं कि आखिर चूक कहां पर हो रही है। इस क्रम में जब कुछ समझ में नहीं आता है, तो आसान से शब्दों में इसका हल तलाशते हैं कि जमाना ही खराब है, इसीलिए बच्चे बिगड़ रहे हैं। विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं। अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं।

इस बीच बच्चा किसी अन्य की देखरेख में होता है। इसी वजह से बच्चों का बचपन आज अकेलेपन से घिरता जा रहा है। छोटा-सा परिवार अगर कभी इका भी होता है, तो रात में सोने से पहले भोजन के समय ही। वहां भी सीमित समय में एक-दूसरे से सीमित बातचीत होती है। परिवार में एक-दूसरे से संवाद की भारी कमी रहती है। उधर बच्चों के मन में जो उधेड़बुन चल रही होती है, उससे उसे अकेले ही निपटना पड़ता है। यह स्थिति बच्चों को जिद्दी, बदतमीज और उद्दंड बनाती है। वह अपनी हताशा इन्हीं तरीकों से निकालता है। जब बच्चे की बात कोई नहीं सुनता है, तो वह अपनी बात सुनाने के लिए कई बार गलत तरीका अपना लेता है। एक समस्या यह है कि अब परिजन और यहां तक कि माता-पिता भी संवाद करने के बजाय टीवी, स्मार्टफोन, टैब, कंप्यूटर में अपने आप को व्यस्त रखते हैं। बच्चों की देखभाल अधिकतर आया करती है या वह देखभाल केंद्र में संभाला जाता है। बच्चों का अधिकांश समय उनके अपने परिजनों के बिना व्यतीत होता है, जिससे उन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कोई भी बच्चा सब कुछ सीख कर धरती पर जन्म नहीं लेता है। वह अपने आसपास के लोगों से, अपने माता-पिता से ही सीखता है। अफसोस की बात है कि अब बच्चों को माता-पिता का साथ ही कम मिल रहा है। बाहर से वह जो कुछ भी सीखता है, वह उसके पास जैसे का तैसे के रूप में आता है। यानी उन बातों में गलत बातें भी रहती हैं, सही बातें भी रहती हैं। बच्चा इस बात में अंतर नहीं कर पाता है कि क्या गलत है और क्या सही है। इसीलिए अगर बच्चों में मूल्यों और संवेदनशीलता की कमी है, तो उसके लिए सबसे ज्यादा परिजन ही होते हैं। जहां तक स्कूलों का सवाल है, वे बच्चों को अक्षर ज्ञान तो दे सकते हैं, लेकिन उन्हें व्यावहारिक और सामाजिक ज्ञान, शिष्टाचार, लोकाचार आदि नहीं सिखा सकते हैं। यह सब बच्चा आमतौर पर परिवार में ही सीखता है। कई बार ऐसा होता है कि जो बच्चे बहुत छोटी उम्र से खेल-स्कूल, देखभाल केंद्र और आया की देखभाल में रहते हैं, वह बहुत छोटी-छोटी बातें भी नहीं सीख पाते हैं। वे व्यावहारिक ज्ञान से बिल्कुल ही अनभिज्ञ रहते हैं और अपनी हर जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। न उन्हें अच्छी परवरिश मिल पाती है और न ही भरपूर प्यार-दुलार ही मिल पाता है। वे अपनी परंपरा अपने तीज-त्योहार से भी अपरिचित ही रह जाते हैं। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है कि माता-पिता उनके साथ पर्याप्त समय बिताएं। अपनी आर्थिक महत्त्वाकांक्षा का भुगतान उनसे न करवाएं। उनको उनके हिस्से का प्यार-दुलार, प्रेम और सुरक्षा प्रदान करें और साथ ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना भी माता-पिता की ही महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ईमानदारी, अनुशासन, सहनशीलता, दूसरों का सम्मान, जिम्मेदारी जैसे अच्छे गुण बच्चों को बचपन से ही सीखने में सहयोग करना चाहिए। जब बच्चे अपने माता-पिता और अपने परिजनों को सच्चाई, मेहनत और विनम्रता, सादगी के साथ जीवन जीता हुआ देखते हैं, तो वे भी वही आदतें अपना कर खुद ही ये सब चीजें सीखते रहते हैं। एक अच्छे संरक्षक और माता-पिता को बच्चे अपनी मानसिक परेशानियां बिना झिझक के बता देते हैं। यह उनके भावनात्मक विकास में सहयोगी बनता है। माता-पिता का दायित्व केवल बच्चों की भौतिक जरूरतें पूरी करना नहीं है, बल्कि उन्हें एक अनुशासित, शिक्षित, संस्कारी और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखना भी माता-पिता की ही जिम्मेदारी है। जब माता-पिता अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी, समझदारी और संवेदनशीलता से निभाते हैं, तो बच्चे एक जिम्मेदार, शिष्टाचार से लैस और सभ्य नागरिक बनते हैं। हमें इतना जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अपनी सुविधा का खयाल रखते-रखते कहीं बच्चों के साथ अन्याय न कर दें। बचपन की मौलिक जरूरतें हर बच्चे की पूरी होनी चाहिए, क्योंकि उनका बचपन फिर से वापस लौट कर नहीं आएगा।

- लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.41 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.21 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.19 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.49 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.00 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.11 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.26 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.42 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मकर	00.47 बजे से
		कुंभ	02.34 बजे से
		मीन	04.06 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 105 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 15.23 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 42' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872680 **जूलियन दिन** 2461145.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, विषु कानी, कुब्जिका जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8831

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7				■	8	9		
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18	■		■	■
19		20	■	21				22
	■	23			■	■	■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8830 का हल

■	बे	चा	रा	■	जी	व	न	■
कि	ला	■	ई	■	न	■	भ	ला
ता	■	क	स	र	त	■	■	य
ब	द	ला	■	थ	■	ह	ल	क
■	■	का	ष्ठ	■	म	नु	■	■
म	क्का	र	■	रा	■	मा	म	ला
ही	■	■	अ	न	ब	न	■	न
ना	ग	■	द	■	हा	■	भा	त
■	म	ल	ना	■	व	च	न	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7765 ★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7764 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

नीतीश कुमार का दो दशक का कार्यकाल स्वर्णिम युग : जदयू

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के पिछले दो दशकों के कार्यकाल को आधुनिक बिहार के इतिहास में स्वर्णिम युग के रूप में याद किया जाएगा। वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने एक ऐसे बिहार की नींव रखी, जो समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। यह बातें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और परिमल कुमार ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में कहीं।

प्रवक्ताओं ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने बदहाल कानून-व्यवस्था के दौर को पीछे छोड़ते हुए सुशासन के माध्यम से भयमुक्त वातावरण स्थापित किया और विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो लंबे समय से उपेक्षित रहे थे।

महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी बिहार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देने और पुलिस बल में उनकी बड़े पैमाने पर बहाली के फैसले ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। वर्ष 2013 में पुलिस बल में 35 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के बाद आज बिहार में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या देश में सबसे अधिक बताई जा रही है। इसके साथ ही जीविका योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है। इस पहल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है और बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपना भविष्य संवार रही हैं।

आगे कहा कि पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई गईं, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बल मिला। मुख्यमंत्री के ह्यन्याय के साथ विकास के संकल्प का ही परिणाम है कि आज राज्य के दूरदराज गांवों तक बिजली और आधारभूत संरचनाएं पहुंच चुकी हैं। सड़कों और पुलों के निर्माण से राज्य की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ है और बिहार आज आधारभूत ढांचे के मामले में देश के अग्रणी राज्यों को चुनौती दे रहा है। प्रवक्ताओं ने कहा कि यह 20 से अधिक वर्षों की निरंतर मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज बिहार एक प्रगतिशील और सशक्त राज्य के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

जिला प्रशासन ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर पुष्प अर्पित किया

एजेंसी

बेगुसराय। 14 अप्रैल 2026 को भारत रत्न, भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन, बेगूसराय द्वारा श्रद्धापूर्वक उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर बेगूसराय स्थित अंबेडकर चौक पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत बड़ी पोखर स्थित डॉ. अंबेडकर पुस्तकालय में भी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बाबा साहेब के विचारों एवं उनके द्वारा समाज में समानता, न्याय और अधिकारों की स्थापना के लिए किए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता बेगूसराय, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय, भूमि सुधार उप समाहर्ता बेगूसराय, वरीय उप समाहर्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दलगत भावना से परे अंबेडकर भारतीय समाज के भीम रथयात्रा में शामिल हुए सियासतदान

अररिया। संविधान निमार्ता एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अंबेडकर भारतीय समाज की ओर से मंगलवार को फारबिसगंज में भीम रथ यात्रा निकाली गई। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष सूरज कुमार सोनू के नेतृत्व में निकले भीम रथ यात्रा में दलगत भावना से ऊपर उठकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोगों ने यात्रा में हिस्सा लिया। भीम रथ यात्रा द्विजदेनी हाई स्कूल के मैदान से निकलकर पटेल चौक,सदर रोड, स्टेशन चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, दीनदयाल चौक, गोढ़ियारे चौक होते हुए डॉ अंबेडकर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर जाकर समाप्त हुई।जहां भीम रथ यात्रा में शामिल लोगों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प और माल्यार्पण किया।यात्रा के दौरान जय भीम के नारे से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।मौके पर डॉ अंबेडकर चौक पर एक नुक्कड़ सभा का भी आयोजन किया गया।

नीतीश जी आप सर्वदा स्मर्णीय रहेंगे : मुकेश

बेगूसराय। जीवन एक समर है, यादों में जीवित जय है, बिना सारथी के रथ पर,यात्रा का हो रहा भय है। एक अधूरे बिहार की पूर्णता का गर्वित अध्याय बिहार के सामाजिक राजनीतिक शैक्षणिक प्रशासनिक पुनरुद्धार के प्रणेता अभिभावक माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी आप सर्वदा स्मरणीय हैं और रहेंगे। आपके द्वारा 20 सालों तक बिहार के बदलाव की सच्चाई एक कहानी नहीं एक सुखद अध्याय है। सामाजिक न्याय की नई पहचान को आप ने विकास विश्वास के नए दौर में पहुंचाकर प्रगति के नए सोपान पर पहुँचा दिया। इस गौरव यात्रा को बिहार के लोग सुशासन के रूप में याद करते हैं। बिहार की बेटियों को अपनी साइकिल की अभियान से शिक्षा और सफलता का स्वाभिमान अपने ही तो दिया है। जर्जर तार और ट्रांसफार्मर की अंतहीन प्रतीक्षा को देख चुका अंधकार में डूबा बिहार आज घर-घर तक पहुँच गई सतत बिजली के लिए आपका हमेशा आभारी रहेगा हर घर तक नल जल योजना के स्वच्छ जल की।

यह पद नहीं, बिहार की सेवा का पवित्र अवसर : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार में नई राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सम्राट चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। उन्होंने इस जिम्मेदारी को केवल एक पद नहीं, बल्कि बिहार की सेवा का पवित्र अवसर बताया।

सम्राट चौधरी ने इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि उन्हें भाजपा बिहार विधानमंडल दल का नेता चुनकर जो विश्वास जताया गया है, उसके लिए वे हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जवाबदेही भी है।

उन्होंने अपने संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में बिहार को विकास और सुशासन के नए आयामों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन के लिए भी उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्राट चौधरी ने कहा कि यह दायित्व उनके लिए बिहार की जनता के विश्वास और सपनों को साकार करने का अवसर है। उन्होंने पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लिया।

उन्होंने कार्यकताओं और समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि उनका स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। अंत में उन्होंने जय बिहार, जय भारत के नारे के साथ अपने संदेश का समापन किया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सम्राट चौधरी की यह प्रतिक्रिया संकेत देती है कि वे अब सक्रिय रूप से सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने की है जरूरत : डॉ. चक्रपाणि

भागलपुर। जिले के खेरहिया पंचायत के हरीनगर गांव में मंगलवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 135वीं जयंती समारोह को धूमधाम से केक काटकर मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता अनूपलाल दास ने किया एवं मुख्य अतिथि बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु थे। इस अवसर पर डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। वहीं प्रज्ञा कुमारी ने अंबेडकर साहब पर आधारित गीत गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि आज डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को गांव गांव तक पहुंचाने की जरूरत है। अंबेडकर साहब के द्वारा लिखित संविधान विश्व के साथ-साथ भारत का सर्वलौकिक संविधान है। इस संविधान के आधार पर लोग नौकरी के छोटे से बड़े पदों पर आसीन है। डॉक्टर अंबेडकर साहब समतामूलक समाज चाहते थे। जिस संघर्ष के साथ आगे बढ़े और उच्च स्थान पर गए उससे प्रेरणा लेने की जरूरत है। डॉ भीमराव अंबेडकर भारत के ही नहीं विश्व के महान नागरिक है। वह एक महान सुधारक होने के साथ-साथ महान मानवतावादी तथा मानव अधिकार के सबल पक्षधर भी है। उनकी लड़ाई हिंदू धर्म से नहीं, लड़ाई छुआछूत और नफरत से थी। उनका दर्शन सामाजिक चिंतन पर आधारित थे। इस अवसर पर विकेश कुमार पैक्स अध्यक्ष, पलो मंडल पूर्व मुखिया, अजीत कुमार संत, परमानंद यादव, लाल बिहारी दास, योगेंद्र दास, नवल किशोर दास, रामु दास, निरंजन कुमार आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

66 शहीद अग्निशमकों को अग्निशमन सप्ताह में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, चलाया गया जागरूकता अभियान

एजेंसी

तिलरथ/बेगूसराय। आजादी से ठीक पहले सन 1944 में देश के मशहूर शहर मुम्बई में हुई भीषण अग्निकांड में एक साथ 66 अग्निक शाहिद हो गए थे। अग्निकों के शहादत में बिहार सरकार के द्वारा 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह मनाया जाता है। जिस को लेकर अग्निशमन केन्द्र बरौनी में अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी बरौनी जगदीश राम, सहायक अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी संजय कुमार एवं सिंटू कुमार के नेतृत्व में बरौनी फायर स्टेशन कर्मियों द्वारा अग्निशमन सप्ताह के तहत दो मिनट का मौन रखकर शहीद हुए 66 अग्निकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही दो अस्पतालों में जागरूकता अभियान भी चलाया। जिसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौनी तथा चाँद सूरज अस्पताल पपरौर में अग्निशमन सप्ताह जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं शॉर्ट सर्किट एवं एलपीजी गैस सहित विभिन्न प्रकार के अग्निकांड से बचाव को लेकर स्वास्थ्य कर्मी, सुरक्षा कर्मी एवं आम जनमानस को मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

सीएम नीतीश ने बाबा साहेब के आदर्शों पर आधारित नीतियों के माध्यम से उनके सपनों को साकार किया: उमेश सिंह कुशवाहा

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में सुशासन के माध्यम से बाबा साहेब की विचारधारा एवं उनके सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों पर आधारित नीतियों का निर्माण किया और उन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा। उनके नेतृत्व में बिहार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु कई ठोस एवं दूरगामी कदम उठाए गए, जिनसे समाज के सबसे वंचित एवं पिछड़े वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। नीतीश कुमार द्वारा महादलित विकास मिशन की शुरूआत की गई। इसके माध्यम से शिक्षा, रोजगार, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनायी अंबेडकर जयंती

अररिया। फारबिसगंज भाजपा नगर इकाई की ओर से संविधान निमार्ता एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई गई।भाजपा नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अगुवाई में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने स्थानीय अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिभा पर माल्यार्पण समारोह में भाग लिया और बाबा साहेब के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। मौके पर भाजपा नेता प्रवीण कुमार ने कहा कि श्रद्धेय डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने समाज के वंचित वर्ग को शिक्षित व सशक्त किया और हमें न्याय व समता पर आधारित एक ऐसा प्रगतिशील संविधान दिया, जिसने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया।वहीं नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू,पूर्व मुख्य पार्षद गुंजन सिंह,पूर्व उप मुख्य पार्षद मोती खान ने कहा कि डॉ अंबेडकर जीवन भर अपमान सहते हुए अपने विचारों में कभी भी प्रतिशोध को स्थान नही दिया। बल्कि न्याय समानता और मानवता का मार्ग दिखाया।

अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ ने समारोहपूर्वक मनाई अंबेडकर जयंती

अररिया। अररिया में अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ की ओर से संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मंगलवार को समारोहपूर्वक मनाई गई,जिसमें डीएम विनोद दूहन,एसपी जितेन्द्र कुमार के साथ अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। सबसे पहले शिवपुरी स्थित अंबेडकर सेवा सदन से बस स्टैंड,एडीबी चौक से होते हुए निकली अंबेडकर सेवा यात्रा आश्रम चौक पर जाकर समाप्त हुई।अधिकारियों सहित स्थानीय लोगों ने आंबेडकरजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक समरसता वाले सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। द्वितीय सत्र में कृषि उत्पादन बाजार समिति के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष उपायुक्त लेखा सह वरीय कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार रजक ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत अपने संबोधन से किया।

सड़क दुर्घटना में कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता सपरिवार आंशिक रूप से हुए घायल

एजेंसी

तिलरथ/बेगुसराय। पटना जिले के कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक संजय गुप्ता मंगलवार को अहले एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए। यह दुर्घटना जीरोमाइल ओपी क्षेत्र अंतर्गत बेगूसराय के जीरोमाइल गोलम्बर के समीप उस समय हुई, जब भाजपा विधायक श्री गुप्ता अपने परिवार के साथ पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार से वापस लौट रहे थे। ईश्वर की असीम कृपा से गनीमत यह रही कि इस हादसे के शिकार विधायक, उनकी पत्नी, बेटी और अंगरक्षकों की जान सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार हादसा मंगलवार अहले सुबह करीब 3:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि सड़क पर किसी अज्ञात ट्रक की स्टेपनी (अतिरिक्त टायर) पहले से गिरी हुई थी।अंधेरा होने के कारण विधायक के चालक को वह टायर दिखाई नहीं दिया और तेज रफ्तार कार उससे टकराकर अनियंत्रित हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद विधायक संजय गुप्ता ने स्थानीय वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेंद्र कुमार अमर को फोन पर सूचना दी।अमरेंद्र कुमार अमर ने बताया कि रात्रि लगभग 3 बजे मुझे जैसे ही सूचना मिली, मैं तुरंत अपने ड्राइवर के साथ घटनास्थल पर पहुंचा। स्थिति काफी गंभीर थी, गाड़ी क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। विधायक पटना में होने वाली भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल होते इससे पहले वह सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। मौके पर भाजपा जिलाउपाध्यक्ष सुनील सिंह भी सूचना मिलते ही पहुंच गए और राहत कार्यों में हाथ बंटाया। घटनास्थल पर पहुंचते ही विधायक, उनकी पत्नी, बेटी और तीन सुरक्षा गार्डों को बेगूसराय के ग्लोकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। सभी को शरीर पर हल्की चोटें आई हैं, लेकिन कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं है।

सुखानी थाना क्षेत्र बना ओवरलोड ट्रकों का सेफ जोन, गंभीरगढ़ हाईवे पर रोज लग रहा जमावड़ा

एजेंसी

किशनगंज। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज-बहादुरगंज राष्ट्रीय राजमार्ग 327ई पर ओवरलोड ईंट लदे ट्रकों का जमावड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। सुखानी थाना क्षेत्र अंतर्गत गंभीरगढ़ हाईवे का सर्विस रोड इन दिनों ओवरलोड ट्रकों के अस्थायी ठहराव का सेफ जोन बन गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार इंट्री माफिया के इशारे पर यह पूरा सिलसिला संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा है, जिससे सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। बताया जाता है कि दोपहर एक बजे के बाद से ही गंभीरगढ़ इलाके के सर्विस रोड पर दर्जनों ईंट लदे भारी ट्रक खड़े होने लगते हैं। ये ट्रक कथित तौर पर माफिया से सिग्नल मिलने का इंतजार करते रहते हैं। देर रात तक ट्रकों का जमावड़ा बना रहता है और तड़के करीब चार बजे इंट्री मिलने के बाद ये ट्रक काफिले के रूप में पश्चिम बंगाल की ओर रवाना हो जाते हैं। ओवरलोडिंग के कारण इन ट्रकों के संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। भारी वाहनों की लंबी कतारों से यातायात भी प्रभावित होता है और छोटे वाहनों के चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा ओवरलोड ट्रकों से सड़कें भी तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं। ओवरलोड वाहनों के संचालन से सरकार को राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर ओवरलोड ट्रकों का संचालन होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जो कई सवाल खड़े करता है।जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध धंधे पर रोक नहीं लगाई गई, तो सड़क हादसों में बढ़ोतरी के साथ-साथ सरकारी राजस्व की क्षति भी जारी रहेगी।

भाकपा और खेत मजदूर यूनियन ने बाबा भीमराव अंबेडकर को किया याद

प्रातः नागपुरी संवाददाता

मढ़ौरा/ सारण। मढ़ौरा भाकपा और खेत मजदूर यूनियन की स्थानीय इकाई के तत्वावधान में बहुआरापट्टी गांव में संविधान निमार्ता, दलितों, पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों के हित चिंतक बाबा साहेब डॉ अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती का शुभारंभ बाबा साहेब की तैल चित्र पर उपस्थित जनसमूह द्वारा पुष्पांजलि से हुआ। इस अवसर पर बाबा साहेब अमर रहे, भारतीय संविधान अमर रहे, संविधान की रक्षा कौन करेगा, हम करेंगे हम करेंगे आदि नारे लगाए गए। जयंती समारोह खेत मजदूर यूनियन नेता प्रेमचंद राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम भाकपा जिला सचिव रामबाबू सिंह ने कहा कि आज जब भारतीय संविधान खतरे में है और दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ों पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है, तो अंबेडकर पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। जयंती समारोह को प्रो भूपेश भीम, प्रो रजाक हुसैन, समसुद्दीन, मंसूर साहब, आफताब हुसैन, डॉ नुसरत अली, मुन्ना राम, हरि जी राम, कृष्णा राम, शंकर राम आदि ने अपने विचारो के द्वारा बाबा साहब के सपनों के प्रति अटूट निष्ठा का प्रदर्शन किया।

पुरी श्रीमंदिर में आज से नए रत्न पलंक पर शयन करेंगे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व देवी सुभद्रा

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिया नववर्ष के अवसर पर पुरी स्थित श्रीमंदिर में धार्मिक परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अब आज से नए निर्मित ह्यरत्न पलंकह्ल (आभूषणों से सुसज्जित शैय्या) पर विश्राम करेंगे। मंगलवार को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी ने बताया कि सभी आवश्यक धार्मिक अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद ही नए पलंकों का उपयोग प्रारंभ किया जाएगा। आज से देवताओं को दैनिक ह्यशयनह्ल (विश्राम) अनुष्ठान के तहत इन नए पवित्र पलंकों पर तीनों भगवानों को विराजमान किया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, तीन नए रत्न पलंक का निर्माण विशेष शिल्पकला के साथ किया गया है, जिन पर चांदी की परत चढ़ाई गई है। इनका उपयोग शुरू करने से पहले परंपरागत विधि-विधान के तहत शुद्धिकरण और प्राण-प्रतिष्ठा संबंधी अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। इस पहल को परंपरा और आधुनिक शिल्पकला के समन्वय के रूप में देखा जा रहा है, जो मंदिर की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करता है। वहीं, पुराने रत्न पालंकों को संरक्षित रखते हुए मंदिर परिसर स्थित नीलाद्रि संग्रहालय में रखा जाएगा। उनकी अंतिम व्यवस्था को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

देश में ओवरलोड वाहनों पर शुल्क वसूली के नए नियम प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर ओवरलोड वाहनों से शुल्क वसूली की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। ये संशोधित प्रावधान 15 अप्रैल से प्रभावी होंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रहण) चौथा संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किया है। नए प्रावधानों के तहत 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। 10 से 40 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर मूल दर का दो गुना शुल्क और 40 प्रतिशत से अधिक भार पर मूल दर का चार गुना शुल्क वसूला जाएगा। ओवरलोडिंग की जांच प्रमाणित वजन माप उपकरणों से की जाएगी, जो शुल्क प्लाजा पर लगाए जाएंगे। जहां वजन माप सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, वहां ओवरलोड शुल्क नहीं लिया जाएगा। शुल्क की वसूली केवल फास्टैग से की जाएगी और ओवरलोड वाहनों का विवरण राष्ट्रीय वाहन रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने, राजमार्गों की संरचना की रक्षा करने और निर्धारित भार सीमा का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। अधिसूचना में विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए शुल्क गणना का विस्तृत उदाहरण भी दिया गया है ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

भारत ने तोड़ा रिकॉर्ड : 365 दिन में 100 ब्रह्मोस मिसाइल

लखनऊ। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देने वाली ब्रह्मोस एयरोस्पेस की ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थापित नए ब्रह्मोस प्लांट से अब मिसाइलों की डिलीवरी शुरू हो गई है। यह प्लांट उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का अहम हिस्सा है और देश की सैन्य ताकत को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। अक्टूबर 2025 में प्लांट से पहली बार चार ब्रह्मोस मिसाइलों का बैच तैयार किया गया था, और अब नियमित उत्पादन व आपूर्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस नए प्लांट की सबसे बड़ी खासियत इसकी उत्पादन क्षमता है। यहां हर साल करीब 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलें बनाई जा सकती हैं। इसका मतलब है कि सेना, नौसेना और वायुसेना—तीनों को तेजी से आधुनिक हथियार उपलब्ध हो सकते है। इससे न सिर्फ सैन्य तैयारी मजबूत होगी बल्कि सप्लाई चेन भी अधिक प्रभावी बनेगी। बात दें कि ब्रह्मोस मिसाइल दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। यह ध्वनि की गति से कई गुना तेज गति से उड़ान भरती है, जिससे दुश्मन को प्रतिक्रिया करने का बहुत कम समय मिलता है। इसकी एक और बड़ी ताकत यह है कि जमीन, समुद्र और हवा—तीनों प्लेटफॉर्म से लांच किया जा सकता है। यही कारण है कि यह तीनों सेनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हथियार बन चुकी है। पहले ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन मुख्य रूप से हैदराबाद और अन्य सीमित स्थानों पर होता था, लेकिन लखनऊ प्लांट के शुरू होने से उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे देश की रक्षा तैयारियों में तेजी आएगी और जरूरत के समय हथियारों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मोदी सरकार का फोकस अब आत्मनिर्भर भारत पर है, और ब्रह्मोस परियोजना इस दिशा में एक बड़ा कदम है। वर्तमान में इस मिसाइल के निर्माण में लगभग 70 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जो पहले की तुलना में काफी अधिक है। इसका मतलब है कि भारत धीरे-धीरे रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम कर रहा है और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा दे रहा है।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है। ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित एलीना और महान संविधान (बाल संविधान) पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधानः बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी है।

इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके। मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है। अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा हमारा संविधान है। आज लोगों के जीवन को नैतिक अधिकार, न्याय का अधिकार देने का काम हमारे संविधान में निहित है। एक सामान्य अंतिम पड़ाव का व्यक्ति भी न्याय का समान अधिकार रखता है, मत का समान अधिकार रखता है और एक मानवीय जीवन जीने का अधिकार रखता है। ये समानता उनके जीवन का मूल रही क्योंकि उन्होंने असमानता देखी थी और यही भारत की ताकत बनी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद आज समाज का कोई भी क्षेत्र चाहे वह विज्ञान हो, रक्षा हो या उद्योग महिलाओं के नेतृत्व से अछूता नहीं है। अब यह नेतृत्व क्षमता विधायी संस्थाओं (संसद और विधानसभाओं) तक पहुंच रही है, जो लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण है। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आर्थिक प्रतिबंध किसी भी देश के विकास में रुकावट है। हमारी पार्टी देश की चिंता करता है, जबकि अन्य पार्टियां पार्टी कुर्सी की। उन्होंने संविधान की तुलना रामचरितमानस और गीता जैसे पवित्र ग्रंथों से करते हुए इसे राष्ट्र का मार्गदर्शक बताया और कानून के छात्रों को बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करने की सलाह दी। इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ ला की ग्रुप डायरेक्टर एवं डीन प्रो. (डॉ.) मनप्रीत कौर राजपाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए यह अनिवार्य है कि हमारे बच्चे बचपन से ही उन संवैधानिक मूल्यों और अधिकारों को जानें जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक बच्चों के मन में लोकतंत्र के प्रति सम्मान और जिज्ञासा पैदा करने का काम करेगी।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

एजेंसी

मालदा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया। मालदा के चांचल स्थित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को झूठा बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सिर्फ अपने संगठन के हित में काम कर रही है और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा हिंसा फैलाती है, जबकि यहां तृणमूल कांग्रेस हिंसा फैलाने का काम करती है। राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने में लगे हैं। वहीं हम कहते हैं कि देश में एकता होनी चाहिए, भाईचारा होना चाहिए, नफरत मिटनी चाहिए। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का मुकाबला टीएमसी नहीं कर सकती है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा के खिलाफ खड़ी हो सकती है और उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां एसआईआर के नाम पर वोट चोरी की जा रही है, लेकिन टीएमसी इसे नहीं रोक सकती। सिर्फ कांग्रेस ही इसे रोक सकती है। उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी।

असफल इस्लामाबाद वार्ता पर जेडी वेंस बोले- अमेरिका का रुख साफ

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है।

वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है।

समझिए बातचीत क्यों रुकीः रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष रहेबाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बाबासाहब अंबेडकर विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, प्रखर चिंतक, न्यायविद और समतामूलक समाज व्यवस्था के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनके हित में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने न केवल असमानताओं को दूर करने का मार्ग दिखाया, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों को सुदृढ़ करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। बाबासाहब ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दी। उनका बहुआयामी योगदान भावी पीढ़ियों को देश की सेवा और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबासाहेब का संपूर्ण जीवन सदैव राह दिखाता रहेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हर वर्ग को समान अधिकार और अवसरों की स्वतंत्रता देने वाला संविधान देकर हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अनुच्छेद 370 का मजबूती से विरोध किया। समाज को शिक्षित बनने और संगठित रहने का मंत्र देने वाले बाबासाहेब का जीवन यह सिखाता है कि जब संकल्प देशसेवा और लोगों के कल्याण का हो, तब हर बाधा छोटी हो जाती है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारतीय संविधान के शिल्पकार, बहुजन नायक, महान समाज सुधारक तथा क्रांतिकारी महामानव डॉ. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें नमन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बाबासाहेब ने आजीवन समाज में समता और समरसता बढ़ाने के लिए कार्य किया। उनका पूरा जीवन वंचित वर्ग के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए समर्पित था। बाबासाहब एक महान विचारक और देश की अनेक संस्थाओं के निमार्ता भी थे।

क्यूबा ने अमेरिका को ललकारा दे डाली धमकी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा में सैन्य हमले की हाल ही में दी धमकी पर क्यूबाई राष्ट्रपति ने जबरदस्त ऐतराज जताते हुए अमेरिका को ललकारा है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने देश में आए ईंधन संकट के बाद पहली बार हुंकार भरी। कहा, अमेरिका के पास सैन्य हमला करने या उन्हें सत्ता से हटाने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, क्यूबा पर किसी भी तरह का आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में डियाज-कैनेल ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी अप्रिय कदम उठाया तो क्यूबा के लोग अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा समय आने पर मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी 'सर्जिकल ऑपरेशन' अथवा राष्ट्रपति के अपहरण का कोई औचित्य होगा। डियाज-कैनेल ने कहा, यदि ऐसा हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा और हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम मरेंगे भी।

प्रशांत महासागर में नशा तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमले, 5 मरे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना के मुताबिक, उसने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमला कर उन्हें तबाह कर पांच लोगों को मार गिराया। इनमें से एक व्यक्ति बच गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहा है और साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी की तैयारी कर रहा है। शनिवार को हुए हमलों के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा सितंबर की शुरुआत में 'नार्को आतंकवादी' कहे जाने वाले लोगों को निशाना बनाना शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा नावों पर किये गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 168 हो गई है।

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में हजारा शिया समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शिया मुस्लिम हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में हुई इस घटना को लेकर सोमवार को क्षेत्र के शिया समुदाय ने तीखा विरोध दर्ज कराया और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सशक्त नीति बनाने की मांग की। क्वेटा में अज्ञात बंदूकधारी लोग दो मोटरसाइकल पर व्यापार के लिए सब्जियां खरीदने हजारगंज बाजार पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खैर सुमलानी के मुताबिक, ये बाइक सवार हजारा टाउन से आए थे। गोलीबारी में हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने इसे सुनियोजित हत्या बताया। उधर, बलूचिस्तान के हजारा समुदाय के नेता अब्दुल खालिक हजारा ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सरकार ने क्षेत्रीय हालात सुधारने के लिए कदम उठाने की मांग की है। समुदाय के लोगों ने सोमवार को हजारगंज बाजार की पुलिस चौकी भी घेरी और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। फिलहाल घटना की किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी रही।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं का बढ़ेगा योगदान : रक्षा खडसे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके समर्थन की अपील की है। पार्टी ने कहा है कि इस अधिनियम को लागू करने के लिए 16 अप्रैल से लोकसभा और राज्यसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए है। संसद और विधानमंडल में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनका योगदान बढ़ेगा। पंचायतों और नगर निकायों में पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है और वहां महिलाएं सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही हैं। इसी तरह अब संसद और विधानमंडलों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। खडसे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने लाल किले से महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणा की थी और उसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर दिए गए। मुद्रा योजना और लखपति दीदी जैसी पहलें भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक रही हैं। यह अधिनियम महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हर गांव में स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं और महिलाओं ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अधिनियम केवल सीटें बढ़ाने का प्रयास नहीं है बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प है।

भाजपा प्रवक्ता शाजिया इलमी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टियां महिला सशक्तीकरण की बात करती हैं, वही इस कानून को टालने की कोशिश कर रही हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल क्यों नहीं चाहते कि देश की बेटियां और बहनें विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व पाएं। सरकार की तैयारी पूरी है और यह कानून 2029 के चुनाव से लागू होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं लेकिन अब जब सरकार इसे लागू करने जा रही है तो विपक्ष इसमें देरी करवाने की कोशिश कर रहा है।

प्रधानमंत्री के रोड शो में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने बरसाए फूल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की शक्ति, सामर्थ्य और आर्थिक उन्नति के पथ का प्रतीक देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रधानमंत्री मोदी पर फूल बरसा कर उनका भव्य स्वागत किया। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। रोड शो के बाद वे उत्तराखंड के प्रसिद्ध डाट काली मंदिर पहुंचे। यहां बालिकाओं ने महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र अयि गिरिनन्दिनी, नन्दित मेदिनि का सुंदर गाया। इस दौरान प्रधानमंत्री शांति से कुछ देर स्तोत्र की ऋचाओं को सुना। इसके बाद उन्होंने मॉ काली के दर्शन व पूजा-अर्चना की। उत्तराखंड के लिए आज का दिन विशेष है। वैशाखी पर्व पर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तराखंड को दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा के रूप में एक बड़ी सौगात दे रहे हैं। प्रधानमंत्री के पहुंचते ही लोगों ने पूरे जोश के साथ नरेन्द्र मोदी जिन्दाबाद, मोदी-मोदी, भारत माता की जय के नारों के साथ लोगों ने मोदी पर फूल बरसाए। प्रधानमंत्री ने लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। रोड शो के दौरान लोग उत्साह से लबरेज दिखे। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री ने हिमालय की शिवालिक पर्वत श्रृंखलाओं को भी देखा। इस दौरान एलिवेट एक्सप्रेस-वे पर कई जगह सांस्कृतिक झांकियों के प्रदर्शन किया गया, जिसमें उत्तराखंड की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराओं की झलक भी नजर आई।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल में रचा इतिहास

● शोएब अख्तर समेत 8 खिलाड़ियों की बराबरी की

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग 11 में प्रफुल्ल हिंगे को शामिल किया। प्रफुल्ल ने अपने डेब्यू मैच में ही फिर वो कमाल कर दिया और आईपीएल इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। यही नहीं प्रफुल्ल ने शोएब अख्तर समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी भी कर ली।

प्रफुल्ल ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके और आईपीएल इतिहास में बतौर डेब्यूटेंट पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर राजस्थान को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। ये तीनों बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। प्रफुल्ल की गेंदबाजी का इन सभी बल्लेबाजों को पास कोई जवाब नहीं था और सबने उनके सामने सरेंडर कर दिया। प्रफुल्ल ने इस लीग में 1191 मैचों के बाद पहले ओवर में 3 विकेट लेने का कमाल किया।

पिता करते थे मजदूरी, मां ने गहने बेच कर दिलाए थे जूते

● साकिब हुसैन आईपीएल में यादगार डेब्यू की दास्तां

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 21वां मैच पूरी तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के नाम रहा। इस मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने दोनों विभाग में लगातार चार मैच जीतकर आई राजस्थान रॉयल्स की टीम को पीट दिया। इसका सबसे बड़ा श्रेय जाता है, सनराइजर्स के दो डेब्यूटेंट भारतीय तेज गेंदबाजों को। अभी तक इस सीजन बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी, मुकुल चौधरी, समीर रिजवी जैसे खिलाड़ियों ने कमाल किया था। अब गेंदबाजी में भी भारत का युवा टैलेंट सामने आ गया है। यह दो नाम हैं प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन के। यह दोनों खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में एक नए युग की शुरुआत लेकर आए। कप्तान इशान किशन ने अनुभवी हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट को टीम से बाहर किया और दोनों खिलाड़ियों को डेब्यू का मौका मिला।

30 लाख में खरीदे साकिब

साकिब हुसैन का जन्म बिहार के गोपालगंज में हुआ था। यह खिलाड़ी आईपीएल में नया नहीं है लेकिन बस खेलने पहली बार उतरा। इससे पहले 2024 में केकेआर के लिए इस खिलाड़ी को स्क्वाड में जगह मिली थी। मगर कोलकाता के लिए यह खिलाड़ी खेल नहीं पाया। उसके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख के बेस प्राइस पर 21 साल के पेसर को खरीदा। यह फैसला सही था, इसे साकिब ने अपने यादगार डेब्यू से साबित किया।

चेन्नई के मैचों का बदला कार्यक्रम

सीजन के बीच बदल दिए गए वेन्यू

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच सीजन ही चेन्नई सुपर किंग्स के दो मैचों का कार्यक्रम बदल गया है। आईपीएल द्वारा सोमवार 13 अप्रैल इसकी जानकारी देते हुए रिलीज जारी की गई है। इसके मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दोनों मैचों के वेन्यू बदल दिए गए हैं। दरअसल दोनों टीमों के बीच होने वाले इस सीजन दोनों मैचों के वेन्यू में अदला-बदली हुई है।

कौन से दो मैचों का बदला कार्यक्रम?

26 अप्रैल को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाला दोपहर का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना था। अब इस मैच का वेन्यू अहमदाबाद से बदलते हुए चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। यह मुकाबला अब चेन्नई में दोपहर 3.30 बजे (IST) से खेला जाएगा। वहीं इन दोनों टीमों के बीच होने वाले सीजन के दूसरे मुकाबले में भी बदलाव हुआ है। यह मैच 21 मई 2026 को होना है और यह शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

आईपीएल 2026 : चेन्नई ने कोलकाता को 32 रन से हराया, गेंदबाजों के दम पर जीता मैच

एजेंसी

चेन्नई। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर दमदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को 32 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने लगातार दूसरी घरेलू जीत दर्ज की, जबकि केकेआर को इस सीजन में चौथी हार झेलनी पड़ी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने 48 रन की अहम पारी खेली। वहीं आयुष म्हात्रे ने 17 गेंदों में 38 रन बनाकर तेज शुरूआत दिलाई, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने भी 41 रन का योगदान दिया। हालांकि, डेथ ओवरों में चेन्नई की रन गति थोड़ी धीमी पड़ गई।

192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरूआत खराब रही। फिन एलन जल्दी आउट हो गए, जबकि सुनील नरेन 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन 10वें ओवर के बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। चेन्नई के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच पर पकड़ बनाए रखी। नूर अहमद ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके और रहाणे, कैमरन ग्रीन व रिंकू सिंह को आउट किया। वहीं अंशुल कंबोज ने दो विकेट लिए, जबकि खलील अहमद और अकील हुसैन ने एक-एक विकेट हासिल किया। केकेआर एक समय 90 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद रोवमन पॉवेल और रमनदीप सिंह ने 63 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। अंत में कोलकाता की टीम 20 ओवर में 160/7 ही बना सकी और मैच 32 रन से हार गई। इस हार के साथ केकेआर की स्थिति अंक तालिका में और खराब हो गई है, जबकि सीएसके ने दमदार वापसी के संकेत दिए हैं।

स्टोक्स ने मैक्कुलम के साथ मतभेद की खबरों को किया खारिज

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम के साथ मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच तालमेल को लेकर जो बातें कही जा रही हैं, वह बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे 95 प्रतिशत मामलों में एकमत रहते हैं। स्टोक्स ने माना कि ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एशेज दौरे के दौरान उनके और मैक्कुलम के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद थे, लेकिन इसे उन्होंने सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उस समय स्टोक्स जहां थोड़ा संतुलित और रक्षात्मक खेल के पक्ष में थे, वहीं मैक्कुलम आक्रामक रणनीति जारी रखना चाहते थे।

वैभव तोड़ सकते हैं शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड

हैदराबाद। पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों की बात करें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर हैं। शेफाली ने 15 साल, सात महीने और 27 दिन की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अगर वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड दौरे पर खेलते हैं तो वह शेफाली का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। भारत बनाम आयरलैंड टी20 इंटरनेशल सीरीज के दो मैच 26 और 28 जून 2026 को होने हैं। पता चला है कि IPL 2026 के खत्म होने के एक महीने से भी कम समय के भीतर होने वाली इस सीरीज के लिए दूसरी श्रेणी की टीम चुनी जाएगी। चयन समिति वैभव सूर्यवंशी और हाल के समय में अपनी छाप छोड़ने वाले अन्य खिलाड़ियों को इस सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने के लिए उत्सुक है। आयरलैंड सीरीज के बाद इंग्लैंड का दौरा होगा। एक जुलाई से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे पर भारत पांच T20 और तीन ODI मैच खेलेगा। इन दोनों सीरीज में कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लौटने की उम्मीद है। बल्लेबाजी के अपने तरीके के बारे में बताते हुए वैभव सूर्यवंशी कह चुके हैं कि वह कभी भी अपने सामने गेंदबाज के बारे में नहीं सोचते, बल्कि उस गेंद के बारे में सोचते हैं जो उनकी तरफ आ रही होती है।

क्लासेन ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

आईपीएल में पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

हैदराबाद। हैदराबाद के बैटर हेनरिक क्लासेन आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अर्धशतक से चूक गए, लेकिन अपनी टीम के लिए 26 गेंदों पर 40 रन की अहम पारी खेली और इस दौरान 3 छक्के व एक चौका भी लगाया। क्लासेन ने अपनी इस पारी के दम पर सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हेनरिक क्लासेन ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड- क्लासेन ने राजस्थान के खिलाफ 40 रन की पारी खेली और आईपीएल की पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वो छठे नंबर पर आ गए। क्लासेन ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा जो 1683 रन के साथ पहले छठे नंबर पर थे, लेकिन अब वो 7वें नंबर पर आ गए। इस लीग में पहले 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं जिन्होंने 2236 रन बनाए थे जबकि दूसरे नंबर पर शॉन मार्श 1933 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे नंबर पर माइक हसी हैं जिन्होंने 1777 रन बनाए थे जबकि चौथे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ 1771 रन बनाए हैं।

पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

● 2236 रन : क्रिस गेल ● 1933 रन : शॉन मार्श ● 1777 रन : माइक हसी ● 1771 रन : ऋतुराज गायकवाड़ ● 1725 रन : शेन वॉटसन ● 1704 रन : हेनरिक क्लासेन ● 1683 रन : सचिन तेंदुलकर आईपीएल की पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में क्लासेन तीसरे नंबर पर 97 छक्कों के साथ मौजूद हैं जबकि ऋषभ पंत इस लिस्ट में 83 छक्कों के साथ चौथे नंबर पर हैं जबकि क्रिस गेल 163 सिक्स के साथ पहले स्थान पर हैं जबकि आंद्रे रसेल दूसरे नंबर पर हैं।

इशान किशन ने 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से ठोके 91 रन

फिर भी बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान इशान किशन ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और 44 गेंद पर 91 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और छह छक्के लगाए और 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन ठोके, लेकिन इस मैच में वह शतक से चूक गए। इशान बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन 9 रन पीछे रह गए अपने शतक से। उन्होंने इस बेहतरीन पारी के बावजूद हैदराबाद के लिए एक अनचाहे रिकॉर्ड की लिस्ट में एंट्री कर ली है। इशान किशन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 90s में आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले इस लिस्ट में तीन बार डेविड वॉर्नर और एक बार जॉनी बेयरस्टो का नाम दर्ज है। वहीं इशान आईपीएल में दूसरी बार 90ह्य में आउट हुए हैं।

आईपीएल 2026 में 20 में से 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर

पावरप्ले में रन वर्षा, पांच बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में 20 मैच हो गए हैं और आंकड़े बताते हैं कि यह अबतक का सबसे विस्फोटक बल्लेबाजी वाला सीजन रहा है। 200 का आंकड़ा आम हो गया है। 20 मैच में 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। इतनी आसानी से 200 रन बनने का कारण ज्यादा छक्के लगने है। आईपीएल 2026 में छक्के लगने की दर 12.24 है। यानी लगभग हर 13 गेंद पर एक छक्का लग रहा है।

बल्लेबाज पावरप्ले का ज्यादा से ज्यादा से फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि 5 बार बल्लेबाज अर्धशतक 20 से कम गेंद पर लगा चुके हैं। आईपीएल में पहली बार 20 मैचों के बाद रन रेट 10 रन प्रति ओवर तक पहुंच गया है। इससे

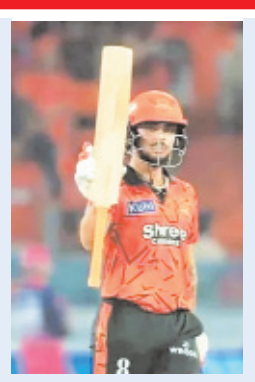

● **अंत के ओवरों में रनरेट गिरा-** मिडिल-ओवर का रन रेट भी बढ़ा है, लेकिन 14 प्रतिशत से थोड़ा कम। अंत के ओवरों में रनरेट गिरा है। यह 10 रन प्रति ओवर से थोड़ा ज्यादा है। पिछले चार सालों में डेथ ओवर और पावरप्ले के बीच रन रेट में अंतर कम से कम दो रन प्रति ओवर था। इस साल यह घटकर आधा रन प्रति ओवर रह गया है। 2022 में डेथ ओवर्स में रन रेट 11.57 था। 2026 में यह 10.44 है। 2024 में 11.54, 2023 में 11.2 और 2025 में 11.39 था।

● **200 से ज्यादा का स्कोर 5 बार हासिल-** बल्लेबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कितनी आसानी से 200 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल किया गया है। पिछले साल पहले 20 मैच में 11 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना था। इस बार 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है।

10 रन प्रति ओवर

आईपीएल इतिहास में पहली बार

आईपीएल 2026 में पहले 20 मैचों के बाद रन रेट 10.00 रन प्रति ओवर तक पहुंचा है। यह किसी भी सीजन में 20 मैच के बाद का अबतक का सर्वोच्च रन रेट है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2025 का था, जब रन रेट 9.52 था। पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह है। आईपीएल 2026 में बल्लेबाज काफी तेजी से अर्धशतक तक पहुंच रहे हैं। अबतक 48 पचासे लगे हैं। पांच अर्धशतक 20 से कम गेंदों पर लग गए हैं।

जल्द दूर होंगी पॉलिसी होल्डर्स की परेशानियां

हेल्थ इंश्योरेंस में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत बीमा नियामक इरडा ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जो हेल्थ इंश्योरेंस के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करेगी और ऐसे सुझाव देगी, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इसका मकसद बीमा लेने वाले लोगों की परेशानियों को कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच बनाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समस्याएं भी बढ़ी हैं। लोग लगातार बढ़ते प्रीमियम, अस्पतालों की मनमानी बिलिंग, क्लेम में देरी और पॉलिसी की जटिल शर्तों से परेशान हैं। कई बार बीमा होने के बावजूद मरीज को बड़ी रकम अपनी जेब से खर्च करनी पड़ती है। यही वजह है कि आम लोगों का भरोसा इंश्योरेंस सिस्टम पर कुछ हद तक कम हुआ है। इन समस्याओं को देखते हुए बीमा ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या है। एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग खर्च लिया जाता है। इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए अस्पतालों की फीस और टैरिफ सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, ताकि इलाज की कीमतों में पारदर्शिता लाई जा सके। हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े हर पहलू की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस कितने लोगों तक पहुंच रहा है, दावा निपटान की प्रक्रिया कैसी है, नए बीमा प्लान कैसे बनाए जाएं, लोगों की शिकायतों का समाधान कैसे तेज किया जाए। इसके अलावा फर्जी दावे, गलत बिलिंग और प्रशासनिक कमियों को दूर करने के उपाय भी सुझाएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश होगी। समिति यह भी देखेगी कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निजी बीमा के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। इससे लोगों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे और बीमा का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। साथ ही पॉलिसी को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ले जाना भी आसान हो सकता है।

दुबई के कदम से भारतीय एयरलाइंस की बढ़ी टेंशन, सरकार से जवाबी एशन की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान संकट के चलते दुबई ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने भारतीय एयरलाइंस की टेंशन बढ़ा दी। 31 मई तक उसने विदेशी एयरलाइंस के लिए अपने यहां पाबंदी लगाई है। इसके तहत दुबई ने अपने एयरपोर्ट्स पर रोज सिर्फ एक फ्लाइट की सीमा तय की है। इससे भारतीय एयरलाइंस के बीच रेवेन्यू के नुकसान की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने किसी भी दूसरे देश की एयरलाइंस के मुकाबले इस डेस्टिनेशन के लिए ज्यादा फ्लाइट्स की योजना बनाई थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने भारत सरकार से अपील की है कि वह दुबई के अधिकारियों पर इन पाबंदियों को हटाने का दबाव डाले। 31 मार्च को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, अगर ऐसा नहीं होता है तो एफआईए ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एयरलाइंस जैसे बदले में वैसी ही पाबंदियां लगाने का सुझाव दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट्स से मिली जानकारी के मुताबिक, 20 अप्रैल से 31 मई के बीच एयरलाइंस को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट मख्तूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट दोनों के लिए रोजाना सिर्फ एक राउंड ट्रिप की अनुमति होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 27 मार्च के एक निजी ईमेल में दुबई एयरपोर्ट ने एयरलाइंस को लिखा, 'एयरलाइंस के लिए रोजाना एक रोटेशन की सीमा जारी रहेगी। जब तक कि क्षमता बढ़ने पर और फ्लाइट्स की अनुमति न मिल जाए... अगर क्षमता उपलब्ध होगी तो अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए जाएंगे।' एयरलाइंस ने इस बात पर चिंता जताई है कि ये पाबंदियां दुबई स्थित एयरलाइंस पर लागू नहीं हो रही हैं। इससे एक असमान प्रतिस्पर्धा का माहौल बन रहा है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव, शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने की खरीदारी

खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली , एजेंसी। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी खरीदी हिस्सेदारी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में खरीदा 51 प्रतिशत स्टेक चीन के बढ़ते दबदबे को काउंटर करने के लिए इसे अहम माना जा रहा है भारत समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में अभी 6वें नंबर पर है

भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एसप्रेसवे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इसे दिल्ली-देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर भी कहा जाता है। पीएम मोदी के उद्घाटन के साथ ही 213 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला यह एक्सप्रेसवे आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगा। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। इससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी करीब ढाई घंटे में पूरी होगी। अभी देहरादून पहुंचने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

इस एक्सप्रेसवे को तीन कंपनियों ने मिलकर बनाया है। इसे बनाने में 12000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। यह कॉरिडोर पर्यटन और आर्थिक रूप से व्यापार और विकास के नए रास्ते खोलेगा। इस एक्सप्रेसवे के खुलने से न केवल दिल्ली-उत्तराखंड के बीच पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एसप्रेसवे

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसव के प्रबंधन की जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की है। इस एक्सप्रेसवे को तीन कंपनियों ने मिलकर बनाया है। ये इस प्रकार हैं: इस एक्सप्रेसवे को बनाने का काम चार चरणों में पूरा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक यह एक्सप्रेसवे इन चरणों में पूरा हुआ है।

पहला चरण दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से शुरू हुआ था। करीब 32 किमी लंबे पहले फेज पर काम ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नजदीक खेकड़ा (बागपत) तक चला।

दूसरे चरण का काम खेकड़ा (बागपत) से शुरू हुआ। करीब 120 किमी लंबा यह फेज सहारनपुर बायपास तक है। इस फेज को ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तौर पर विकसित किया गया। तीसरा फेज सहारनपुर बाईपास से उत्तराखंड में गणेशपुर तक रहा। यह फेज 42 किमी लंबा है। यह फेज गणेशपुर से देहरादून तक का है जो करीब 20 किमी लंबा है। इसमें 4.6 किमी का अपग्रेडेड हिस्सा शामिल है। बाकी हिस्सा नए सिरे से बनाया गया है। यह कॉरिडोर उत्तराखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। इस आर्थिक गलियारे से प्रदेश में रोजगार, पर्यटन और व्यापार को बहुत बढ़ावा मिलेगा।

राधाकिशन दमानी, डॉली खन्ना, मुकुल अग्रवाल ने मार्च तिमाही में नई कंपनियों में लगाया पैसा

मुंबई, एजेंसी। मार्च क्वार्टर में घरेलू शेयर बाजारों की स्थिति अच्छी नहीं थी। इस दौरान निफ्टी में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक तरफ जहां छोटे निवेशक इस पीरियड में परेशान दिखे तो वहीं दिग्गज निवेशकों ने कई कंपनियों में पैसा लगाया। राधाकिशन दामानी से लेकर मुकुल अग्रवाल तक शेयर बाजार के चर्चित सुपरस्टार्स ने मार्च तिमाही में अनेकों कंपनियों में इनवेस्टमेंट किया है। आइए जानते हैं कि वो कंपनियां कौन सी हैं दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने दांव लगाया है। यह स्टॉक इस साल 12 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। मार्च तिमाही के दौरान मुकुल अग्रवाल का फोकस एनर्जी सेक्टर की कंपनियों पर टिका रहा। उन्होंने टू कलर में 1.62 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी डिजिटल टेक्साटाइल प्रीटिंग सेगमेंट में काम करती करती है। मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। बता दें, आज सोमवार को टू कलर के शेयरों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 179 रुपये के स्तर पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 188.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कई कंपनियों में आशीष कचोलिया ने मार्च तिमाही में निवेश किया है। टेकएरा इंजीनियरिंग, एसजी फिनसर्व, एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और आशीष कचोलिया ने इनवेस्टमेंट किया है। आज सोमवार को शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। मधुसूदन केल ने नया निवेश किया है। उन्होंने अपने पोर्टफोलियो में इन दिग्गज कंपनियों को मार्च तिमाही के दौरान जोड़ा है।

बाजार की आंधी में 7 कंपनियों के शेयरों का दबदबा कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल के दौरान घरेलू शेयर बाजारों में काफी उठा-पटक देखने को मिली है। लेकिन इस दौरान कई कंपनियों ने शानदार रिटर्न दिया है। निफ्टी500 स्टॉक में से 7 कंपनियां ऐसी हैं जिनके शेयरों की कीमतों में 150 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। मार्केट की मौजूदा परिस्थितियों का इन कंपनियों पर कोई असर नहीं दिखा है। बता दें, पिछले एक साल में निफ्टी50 में 4 प्रतिशत और निफ्टी500 में 7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इस इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक साल में 207 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, तीन साल में यह स्टॉक 2866 प्रतिशत और 5 साल में 3494 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 1 अप्रैल को 4344 रुपये रहा है।

बीते एक साल में इस सरकारी कंपनी के शेयरों का भाव 192 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 431.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 144.71 रुपये है। पीएसयू स्टॉक में तीन साल में 425 प्रतिशत और 5 साल में 648 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। इस कंपनी की लिस्टिंग अगस्त 2025 में हुई थी। इश्यू प्राइस से अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 190 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 675 रुपये था। बता दें, 13 अप्रैल 2026 के शेयरों का भाव 1954.20 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह भी शेयर बाजार में एक नई नवेली कंपनी है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 321 रुपये था। मौजूदा समय में यह 907.85 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

एनएसई का 20000 करोड़ रूपये का आईपीओ जल्द आएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का लंबे समय से इंतजार हो रहा है। एनएसई भी सेबी के पास अपने के ड्राफ्ट पेपर दाखिल करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे 20,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए जा सकते हैं। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, यानी कंपनी को कोई नया पैसा नहीं मिलेगा। सारा फंड मौजूदा शेयरधारकों को जाएगा। अगर आप अभी ह्स्श्व के अनलिस्टेड शेयर खरीदते हैं, तो आप इस में बेचने वालों में शामिल नहीं होंगे। केवल वही पुराने शेयरधारक बेच पाएंगे, जिनके पास जून 2025 से लगातार शेयर हैं।

खबरों के मुताबिक जून 2026 में सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर सकता है और इस साल के अंत तक आईपीओ के आने की उम्मीद है। सेबी के नियमों के अनुसार, केवल वही शेयरधारक में शेयर बेच पाएंगे, जिनके पास जून 2025 से लगातार पूरी तरह भुगतान वाले ह्स्श्व शेयर हैं। यह नियम उन लोगों को रोकता है, जो सिर्फ फायदा उठाने के लिए आखिरी समय में अनलिस्टेड मार्केट से शेयर खरीदते हैं। इसका मतलब साफ है अगर आप अभी ह्स्श्व के अनलिस्टेड शेयर

खरीदते हैं, तो आप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। पात्र शेयरहोल्डर्स को भाग लेने के लिए 27 अप्रैल, 2026 तक अपनी 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' जमा करना होगा, जो शेयरधारक समय पर नहीं देंगे, वे में शेयर नहीं बेच पाएंगे।

सेबी का एक साल का नियमः सेबी के नियमों के तहत, मौजूदा शेयरधारक पेपर दाखिल करने से कम से कम एक साल पहले से लगातार शेयर होल्ड कर रहे हों, तभी वे ह्स्श्व में बेच सकते हैं। इस सेकेंडरी सेल में अपनी लगभग 4.5 प्रतिशत इक्विटी बेचने की योजना बना रहा है। 30 जून, 2025 तक 1,59,394 शेयरहोल्डर्स थे। 31 मार्च, 2025 तक 39,201 शेयरहोल्डर्स और 31 दिसंबर, 2025 तक 1,86,481 शेयरहोल्डर्स थे।

आईपीओ के लिए किन-किन बैंकों को चुना गया

पिछले महीने ह्स्श्व ने इस के लिए 20 बैंकों को नियुक्त किया, जो एक रिकॉर्ड है। इससे पहले प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने 18 बैंकों के साथ रिकॉर्ड बनाया था। 8 लॉ फर्मों को भी सलाहकार के तौर पर चुना है। फरवरी 2026 में ह्स्श्व ने एक समिति बनाई और स्वतंत्र सलाहकार नियुक्त किया, जो चयन प्रक्रिया की देखरेख करेगा।

किसानों के सामने बड़ी समस्या, सल्फर की वजह से बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के प्रभावित होने की वजह से सिर्फ तेल और एलपीजी ही नहीं सल्फर की समस्या खड़ी हो सकती है। सल्फर आज के समय में फर्टीलाइजर्स, बैटरी, केमिकल्स, मेटल्स और सेमीकंडक्टर्स के लिए जरूरी है। यूरिया से कंप्यूटर चिप्स तक के लिए सलफ्यूरिक एसिड काफी जरूरी है। लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बाधित होने की वजह से फैक्टरी प्रोडक्शन धीमा और फूड की कीमतें बढ़ सकती हैं। बता दें, भारत अपनी जरूरत का बढ़ा हिस्सा खाड़ी के देशों से मंगाता है। ऐसे में सल्फर की आपूर्ति प्रभावित होने की वजह से खाद की कीमतों पर असर दिखेगा। इससे किसानों के सामने नई समस्या खड़ी हो सकती है।

सल्फर क्यों है इतना जरूरी: खाड़ी के देशों से दुनिया के एक्सपोर्ट का 45 प्रतिशत उत्पादन होता है। तेल और गैस रिफाइनिंग का सल्फर एक बायप्रोडक्ट है। ऐसे में तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का सीधा असर सल्फर पर पड़ता है। बता दें, दुनिया का 60 प्रतिशत सल्फर डिमांड सिर्फ फर्टीलाइजर्स के लिए आता है। बाकि बचा 40 प्रतिशत केमिकल्स, मेटल प्रोसेशिंग, बैटरी और चिप फाइब्रेकेशन के लिए होता है।

भारत के लिए क्यों है चिंता की बात: यूरिया और फॉस्फेट फर्टीलाइजर्स के लिए सल्फर बहुत जरूरी है। सल्फर की आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में सरकार पर खाद की सब्सिडी बढ़ाने का दबाव होगा। वहीं, किसानों का उत्पादन खर्च बढ़ सकता है। खाद्य महंगाई में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। केमिकल और मेटल का प्रोडक्शन करने वाले लोगों की लागत बढ़ने का दबाव रहेगा।

चीन ने भी दिखाई सख्ती: मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए चीन ने मई से सल्फ्यूरिक एसिड के एक्सपोर्ट को रोकने का संकेत दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह 2026 सख्ती 2026 तक लगाई जा सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार जब से युद्ध शुरू हुआ है तब से चीन में सल्फर की कीमतों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत में केंद्र सरकार ने आने वाले खरीफ फसल के लिए न्यूट्रियन्ट आधारित सब्सिडी में करीब 12 प्रतिशत का इजाफा किया है। अगर युद्ध लम्बा खींचा तब की स्थिति में सरकार पर भी दबाव बढ़ेगा। ऐसे में सरकार के पास तब दो ही विकल्प रह जाएंगे। पहला विकल्प कीमतों को किसानों तक बढ़ा दिया जाए।

आईपीओ की आहट, 12 प्रतिशत चढ़ा टाटा ग्रुप का स्टॉक, निवेशकों में खरीदने की होड़

मुंबई, एजेंसी। एक तरफ शेयर बाजार में आज सोमवार को भारी बिकवाली देखने को मिल रही है तो वहीं दूसरी टाटा केमिकल्स और टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची हुई है। इस उछाल के पीछे की वजह टाटा संस की लिस्टिंग की संभावना को माना जा रहा है। बता दें, 2024 के बाद टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में एक दिन में अबतक यह सबसे बड़ी तेजी है। वहीं, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब टाटा केमिकल्स के शेयरों में उछाल दर्ज की गई है। टाटा केमिकल्स के शेयर आज सोमवार को बीएसई में 688.10 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत की तेजी के बाद 773.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। बता दें, बीते 8 में से 6 कारोबारी दिनों में टाटा केमिकल्स के शेयरों का भाव ऊपर ही चढ़ा है। इस दौरान टाटा की इस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों की कीमतों में 8.5 प्रतिशत की तेजी आज सोमवार को देखने को मिली है। टाटा इनवेस्टमेंट का शेयर 650.45 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में यह स्टॉक 722.45 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गए। टाटा इनवेस्टमेंट की भी टाटा संस में हिस्सेदारी है। आरबीआई के अपर लेयर एनबीएफसी नियमों में अगर कोई बदलाव नहीं देखने को मिला। तब की स्थिति में मौजूदा नियमों के अनुसार टाटा संस की लिस्टिंग अनिवार्य हो जाएगी। अगर टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग होती है तो यह मौजूदा निवेशकों के लिए काफी अच्छी खबर होगी। टाटा केमिकल्स के 2025 के रिपोर्ट के अनुसार टाटा संस में कंपनी की कुल होल्डिंग्स 10237 सिक्योरिटीज है। तब उसकी कीमत 57 करोड़ रुपये थी। पिछले हफ्ते शापूरजी पालोनजी के चेयरमैन ने टाटा संस की लिस्टिंग की इच्छा को व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट कर देना चाहिए।

सर के कटाब लेकिन सर नी झुकाब...

– डॉ.लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक, तपकरा।

हाम हेकी आदिवासी
झारखंडी मूल वासी
जल जंगल नहीं देवब
नहीं रे ठकाब।
सर के कटाब लेकिन
सर नी झुकाब।। ध्रु।।

पुरखा कर माटी धरल
नदी नाला सभे भरल
जाति धरम सभे छोड़ी
मन के मिलाब।
सर के कटाब लेकिन
सर नी झुकाब।। 1।।

डूबथे आईज संस्कृति
चले लागल राजनीति
गांवे घरे एकता कर
बिंगुल बजाब ।
सर के कटाब लेकिन
सर नी झुकाब।। 2।।

धईन रे झारखंडक भूमि
नखे तोके वीरक कमी
राईज हिते *नारायण*
सबके जगाब।
सर के कटाब लेकिन
सर नी झुकाब।। 3।।

नागपुरी गायक डॉ. लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक गुरु रत्न 2026 से भेलयं सम्मानित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पिठोरिया। नागपुरी लोक संगीत जगत कर परसिध गायक डॉ लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक के बछर 2026 में गुरु रत्न सम्मान से सम्मानित करल गेलक। ई सम्मान भारत के गवैयों कर दन से उनकर नागपुरी लोक संगीत कर संरछन, संवर्धन आउर प्रचार-प्रसार में महतपुर्न जोगदान ले देल गेलक। ई सम्मान समारोह में मुध गोतिया राज्य सभा सांसद डॉ महुआ माजी रहयं। ऊ आपन संबोधन में कहलयं कि अइसन कलाकार हमिन कर संस्कृति आउर परंपरा कर सच्चा रछक हयं।
डॉ. बड़ाईक लंबा बेरा से नागपुरी संगीत कर परंपरा के जिन्दा राखेक में सक्रिय भूमिका निभात हयं। ऊ आपन गायन आउर रचना कर माध्यम से झारखंड कर सांस्कृतिक पहचान के नवा ऊंचाइ तक पहुंचाय हयं। कई मंच में प्रस्तुति देइ चुइक हयं आउर जुवा पीढ़ी के लोक संगीत से जोड़ेक कर काम करत हयं। सम्मान समारोह में छेतर कर कई गनमान्य बेक्ति, कलाकार आउर संगीत प्रेमी उपस्थित रहयं। कार्जकरम में डॉ. बड़ाईक आपन लोकप्रिय नागपुरी गीत कर प्रस्तुति भी देलयं, जेके दरसकमन खूब सराहलयं। डॉ. लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक के मिलल ई सम्मान से गोटा नागपुरी संगीत जगत में खुसी कर माहौल आहे। इके छेतर कर सांस्कृतिक बिरासत ले गर्ब कर छन मानल जात हे।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में जुटलयं हजारों महिलामन

रक्षा राज्य मंत्री कर मार्गदरसन में संपन्न भेलक कार्जकरम

महिलामन उपरे भेलक पुस्प बरसा, पदजातरा कइर के पहुंचलयं बापू वाटिका

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पंचायत से पार्लियामेंट तक फैसला में होवी नारी : संजय सेठ

रांची। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उपरे रांची में सम्मेलन आयोजित करल गेलक। इकर में हजारों महिलामन कर सहभागिता रहे। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लेइ के उपस्थित जनसमूह पीएम नरेंद्र मोदी कर प्रति आभार प्रकट करलयं। ह्लपंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत कर तैयारीह्व थीम उपरे आधारित ई कार्जकरम एकदम से नारी शक्ति के समरपित रहे। इकर में महिलामन कर अभूतपूर्व भागीदारी इके उत्सव कर स्वरूप प्रदान करलयं।
कार्जकरम कर आयोजन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ कर मार्गदरसन में करल गेलक। ई अवसर में मुध रूप से झारखंड कर नेता प्रतिपछ बाबूलाल मरांडी, रांची कर महापौर श्रीमती रोशनी खलखो, रांची विश्वविद्यालय कर कुलपति प्रो सरोज शर्मा, श्रीमती विनीता सिंघानिया (पूर्ब अध्यछ, समर्पण संस्था), श्रीमती विजयश्री साबू (अध्यछ, महिला माहेश्वरी सभा) आउर रास्ट्रीय कवयित्री आउर लेखिका श्रीमती पुष्पा सहाय बिसेस रूप से उपस्थित रहयं। कार्जकरम कर संचालन श्रीमती उषा जालान करलयं।
सम्मेलन में आवल महिलामन कर पुस्प बरसा कइर के सोवागत करल गेलक। कार्जकरम कर दौरान बक्तामन नारी शक्ति वंदन अधिनियम कर महत उपरे प्रकास डाललयं। इके महिलामन के ससक्त बनायेक कर दिसा में ऐतिहासिक कदम बतालयं। महिलामन के देल गेल आरछन ले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर प्रति आभार बेक्त करलयं।
सम्मेलन में बड़ संख्या में आवल महिलामन उत्साहपूर्बक भाग लेलयं। आपन बिचार साझा करलयं। कार्जकरम कर माहौल एकदम प्रेरनादायी आउर ऊर्जा से परिपूर्न रहे, जेकर से ई स्पस्ट भेलक कि आइज कर नारी समाज आउर रास्ट्र निरमान में निरनायक भूमिका निभायेक ले एकदम तैयार हयं।
सम्मेलन कर बाद आर्यभट्ट सभागार से पदजातरा कर आयोजन करल गेलक, जेकर में हजारों महिलामन भाग लेलयं। ई पदजातरा मोराबादी इस्थित बापू वाटिका तक निकलाल गेलक, जहां सउब राष्ट्रपिता के सरधासुमन अर्पित करलयं आउर नारी ससक्तिकरन कर संकल्प के दोहरालयं।
ई अवसर में श्री सेठ ने कहा कि नवभारत कर नारी के पंचायत से पार्लियामेंट तक फैसला में भागीदारी देवेक हय। ई उद्देस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ई अधिनियम लाइन हे। ई खली अधिनियम नखे, ई सपना कर पूरा होवेक जैसन हय जे आजादी कर बाद हमिन कर देस कर मातृसक्ति देखत रहयं। श्री सेठ कहलयं कि ई भब्य आयोजन न खली नारी सक्ति कर सम्मान आउर ससक्तिकरन कर प्रतीक बनलक, बलकि ई संदेस भी देलयं कि विकसित भारत कर निरमान में महिलामन कर भागीदारी आउर नेतृत्व अत्यंत महतपूर्न आहे ।

सेल सैटेलाइट कॉलोनी में अंबेडकर जयंती मनाल गेलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सेल रांची कर ईकाइ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर कर 135वीं जयंती सरधा आउर गरिमा कर संगे मनालयं। कर्मचारी सपरिवार सेल सैटेलाइट कॉलोनी इस्थित बाबा साहेब कर प्रतिमा स्थल में जमा होलयं। रास्ट्र आउर मानवता कर प्रति उनकर जोगदान के याइद करते सरधानजलि अर्पित करलयं।
कार्जकरम के कार्यपालक निदेसक एसके वर्मा, एसके कर, दीपक जैन आउर संजय धर संबोधित करलयं। सउब निदेसकमन कर्मचारीमन से आह्वान करलयं कि ऊमन डॉ. अंबेडकर कर सिछा आउर मूल्य के आपन बेक्तिगत आउर पेसेवर जिनगी में अपनावयं। कार्जकरम कर सुरुआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के पुस्प अर्पित कइर के उनकर रास्ट्र कर प्रति अतुलनीय जोगदान ले सरधानजलि देल गेलक। सीजीएम (एचआर) एसजे जाचुक सोवागत करलयं। एजीएम (सीईटी) एसके मेहर कार्जकरम कर संचालन करलयं। जीएम (एमटीआई) जेएन हेम्ब्रम आउर डीजीएम (एचआर) पीके होरो आउर लायसन अधिकारी (एससी/एसटी) बाबा साहेब कर जिनगी आउर सिछा उपरे प्रकास डाललयं। एजीएम (एम.टी.आई.) जयप्रकाश धन्यवाद देलयं। ई अवसर में सेल कर एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ (सेवा) द्वारा भी आपन कार्यालय में कार्जकरम आयोजित कर सरधानजलि अर्पित करल गेलक।

बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर कर महानता आउर उनकर बलिदानी गाथा..!!

नागपुरी लेख

संतोष महली, ईटा, लोहरदगा।

भारत कर माटी में कतइ बिर आउर बिद्वान मन जनम लेलैं, मुदा डॉ. भीमराव अम्बेडकर कर नाम इतिहास कर पन्ना में सोना कर अछर से लिखल जायला। उ खाली एगो वकील या राजनेता नी रहैं, बल्कि उ एगो इसन क्रांति कर नाम रहैं जेकर से करोड़ों दबल-कुचल आदमी मन के आदमी होवेक एहसास होवत रहे आउर एखनो तक होवेला। बाबा साहेब कर जनम 14 अप्रैल 1891 के महू (मध्य प्रदेश) में होइ रहे। उनकर परिवार के अछूत मानल जात रहे। नागपुरी में एगो कहावत है जेकर देंह में चोट लागे उहे अपन पीरा जाने।
बाबा साहेब छोटे बेरा से ही भेदभाव कर पीरा के सहलैं : इसकुल में उनके राखल गगरी से हांथ लगाय के पानी पिएक मना रहे, उपरे से केउ पानी ढारतैं तब उनके पानी पिएले नसीब होवत रहे। उनके पढ़ाय वाला मास्टर मने भी उनकर कोपी के छुवेक ले हिचकिचात रहैं।
इतइ अपमानित होवल कर बाद भी उ अपन कमजोरी नइ बइन के अपन ताकत बनलैं, ठान लेलैं कि जदि इ समाज के बदलेक है, तो सिकछा ही एगो इसन डहर हके जेकर में चइल के सउब बदइल सकेला। बाबा साहेब पढ़ेक लेगिन बिदेस भी गलैं कोलंबिया यूनिवर्सिटी आउर लंदन इसकुल ऑफ इकोनॉमिक्स से उंच सिकछा हासिल करलैं।

छुआ-छूत कर खिलाफ जंग : बाबा साहेब जब बिदेस से पइढ़ लिख के भारत घुरैना, तो देखैना की देस तो गुलाम हइये है, मुदा देस कर भितरे भी कतइ जाइत-पाइत कर जाल में फंसल हैं,आउर गुलाम तइर जिनगी जिये लाइग हैं।

महाड़ सत्याग्रह : महाड़ सत्याग्रह (1927) इ एगो इतिहासिक लड़ाइ रहे। चवदार तालाब कर पानी पिएक ले,बाबा साहेब आंदोलन करलैं,ताकि इ बताय सकैं की पानी सउब कर लें जरूरी है,आउर पानी में सउबकर बराबर हक होवेक चाही।

फिन कालाराम मंदिर आंदोलन भेलक : उकर में दलित मन के मंदिर में घुंसेक निकलेक कर हक देउवाय ले संघर्ष करलैं।

मनुस्मृति दहन : बाबा साहेब उ सउब बेवस्था कर बिरोध करलैं,जेकर में आदमी के आदमी से घिंन आउर भेदभाव सिखात रहे।

भारत कर निर्माता : भारत जब आजाद होवे वाला रहे, तब सउब कर नजइर बाबा साहेब उपरे ही टिकल रहे,कारन की उ समइ कर हिसाब से बाबा साहेब बहुते पढ़ल - लिखल रहैं।आंखिर उनके संविधान प्रारूप समिति कर अध्यक्ष बनाल गेलक।

संविधान कर रचना : बाबा साहेब दिन राईत मेहनइत कइर दुनिया भइर कर संविधान के पढ़लैं आउर भारत ले एगो इसन किताब लिखलैं जेकर में सउब के बराबइर न्याय, स्वतंत्रता आउर समानता कर बात कहेला।

आरछन बेवस्था : समाज कर पिछड़ल आदमी पिछेहे राइह जातैं अगर इ संविधान नी लिखातक तो,बाबा साहेब उ सउब पिछड़ल आदमी मन के मुख्यधारा में लाने ले,आरछन कर प्रावधान करलैं ताकि सउब एके साथे आगे बइढ़ सकैं।

आरबीआई कर स्थापना : हामरे कर देस कर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कर परिकल्पना भी बाबा साहेब कर किताब 'The Problem of the Rupee' में आधारित है।

अंतिम समइ में तेयाइग : बाबा साहेब उ बेरा कइह गलैं की भले मोय हिंदू धरम में जनम लेलों, मुदा हिंदू रइह के नी मोरबूं एतइ आत्मा के दुख पोहंइच होवि नी,बाबा साहेब भेदभाव वाला बेवस्था से बहुते दुखी रहैं । आब बुद्ध धरम काले अपनालैं इके आउर कहियो बिसतार से बाताबूं।

निचोड़ : बाबा साहेब अपन पुरा सुख-चैन,आउर अपन घर-परिवार हिंया तक की अपन सेहत तक के देस आउर समाज कर सेवा में कुर्बान कइर देलैं,अगर उ चाहतैं तो अपन जिनगी परिवार संगे खुसी - खुसी बिताय सकत रहैं। आइज हामरे मन जदि आजादी से सांस लेविला तो इ बाबा साहेब कर ही देन हके।आउर हामरे कर बहिन-बेटी मन भी पइढ़-लिख के आगे बढ़े लाइग हैं, तो इ बाबा साहेब कर ही देन हके। चलू इसन महान हसती कर आईज उनकर जयंती में हामरे एगो कसम खाइला की कसम खाइला की जिनगी में हामरे कहियो केकरू से छुआ - छुत नी करब,पेरेम से रहब नेक इंसान बनब देस के आगे बढ़ाब।
सिछित बनब, संगठित रहब
आउर जी जान लगाय के मेहनइत करब।
जय भीम! जय भारत!

घूइर आउ अखरा

अजित महली, छात्र जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची विवि।

मेइट जातहे सउब हामर,
घूइर आउ अखरा।2।

आधुनिकता कर मांउर,
विज्ञान कर खेइल,
बोहाँय सउब धाइर,
घूइर आउ अखरा।3।

घरक झगरा झाटी,
बइठ करली निदान,
आपसी भाइचारा ठाँव,
घूइर आउ अखरा।4।

अजितक बात सुनू
तोरु नइ भाई चारा,
छोडू नइ परंपरा,
घूइर आउ अखरा।5।

****

गीत गोबिंद मेइट जातहे,
मेइट जातहे करम जितिया,
छोडू नइ संस्कृति आपन,
घूइर आउ अखरा।1।

कतई सुंदर संस्कृति हामर,
कतई सुंदर प्राकृति हामर,

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह,
प्रबंध संपादक : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com